भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड, आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 108 | मुरैना, सोमवार 27 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

वार्ड-13 में विकास को मिली नई रफ्तार
पेज : 03

हर पाँचवाँ भारतीय होगा बुजुर्ग : क्या भारत तैयार है इस नई चुनौती के लिए ?
पेज : 04

दतिया उपचुनाव में 'कुशवाहा फैक्टर' पर सबकी नजर
पेज : 06

चलती कार का दरवाजा खोला, बाइक टकराई, 5 वर्षीय बालक की मौत
पेज : 07

कटाव धाम में गुरु पूर्णिमा की धूम

महामंडलेश्वर आचार्य श्री सिया वल्लभ दास वेदांती जी महाराज के सानिध्य में बह रही भक्ति की अविरल धारा

गुरु पूर्णिमा पर उमड़ेगा भक्तों का हुजूम

जबलपुर (निज संवाददाता)। अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाले पावन पर्व 'गुरु पूर्णिमा' के अवसर पर संस्कारधानी जबलपुर के पावन कटाव धाम आश्रम में आध्यात्मिक उल्लास का अद्भुत नजारा देखने को मिलने वाला है। महामंडलेश्वर आचार्य श्री श्री 1008 श्री सिया वल्लभ दास वेदांती जी महाराज के अलौकिक सानिध्य में क्षेत्र में इन दिनों भक्ति की अविरल और आनंददायी धारा बह रही है, जिससे पूरा वातावरण पूरी तरह से ऊर्जावान हो गया है। गुरु पूर्णिमा के इस पवित्र पर्व पर कटाव धाम आश्रम में दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु पहुंचेंगे। देश के कोने-कोने से आने वाले इन भक्तों में अपने आराध्य गुरुदेव के दर्शन और उनका आशीर्वाद पाने के लिए अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। शास्त्रों में वर्णित है कि भगवान के रूठने पर क्षमा मिल सकती है, परंतु गुरु के रुष्ट होने पर जीवन की दिशा भटक जाती है। गुरु ही वह दिव्य मार्गदर्शक हैं जो साधारण मनुष्य का हाथ पकड़कर उसे परमात्मा के चरणों से जोड़ते हैं। महामंडलेश्वर आचार्य श्री सिया वल्लभ दास वेदांती जी महाराज के पावन सानिध्य में आश्रम परिसर में विशेष गुरु पूजन, वैदिक मंत्रोच्चार, पादुका पूजन और भव्य सत्संग के कार्यक्रम संपन्न होंगे। संतों की वाणी, आग लागे आकाश में झरझर गिरे अंगार, संत न होते जगत में जल जाता संसार' को चरितार्थ करते हुए महाराजश्री के ओजस्वी वचनों से श्रोता मंत्रमुग्ध होंगे।

इस दौरान उपस्थित रहने वाले हजारों श्रद्धालु तन, मन और धन से गुरुदेव के चरणों में अपनी हाजिरी लगाएंगे और इस संसार सागर से तरने का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। आश्रम में जुटने वाली यह विशाल भीड़ इस बात का प्रमाण है कि संस्कारधानी के जन-जन के मन में गुरु के प्रति अगाध श्रद्धा और समर्पण का भाव प्रबल रूप से विद्यमान है।

पाकिस्तान के साथ अब कोई भी बातचीत सिर्फ पीओके पर फोकस होगी : राजनाथ

- भारतीय सेना के योद्धा बेजोड़, कारगिल में दी गई कुर्बानी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी: सेना प्रमुख

द्रास, 26 जुलाई (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 27वें कारगिल विजय दिवस पर द्रास से देश को संबोधित किया। उन्होंने फिर से कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान की हर हरकत का जवाब देने के भारत के इरादे और काबिलियत को दिखाया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ कोई भी बातचीत सिर्फ़ पीओके पर फोकस होगी। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत तरक्की के लिए खड़ा है, जबकि पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि 'यह दिल मांगे मोर' की भावना अब डिफेंस में आत्मनिर्भरता और विकसित भारत 2047 के विज़न की ओर भारत के कदम को आगे बढ़ा रही है। कारगिल विजय दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की संप्रभुता के विरुद्ध हर घृणित कृत्य का उसी दृढ़ता से जवाब से दिया जाएगा, जिस दृढ़ जवाब से भारतीय रक्षा बलों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवादियों और उनके संरक्षकों को अद्वितीय वीरता के साथ दिया था। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान में सेना और आतंकवादियों के बीच का अंतर मिट चुका है, क्योंकि पाकि?स्तान ने आतंकवाद को अपनी राज्य नीति का हिस्सा बना लिया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सेना न केवल आतंकवादी संगठनों को शरण देती है, बल्कि उनके साथ मिलकर काम भी करती है। इसीलिए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमने यह स्पष्ट कर दिया था कि भारत अब आतंकवादियों और उन्हें बढ़ावा देने वाली सरकारों को अलग-अलग इकाई के रूप में नहीं देखता।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति यूरोप के तीन देशों की यात्रा कर स्वदेश लौटीं

नई दिल्ली, 26 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु यूरोप के तीन देशों की यात्रा पूरी करने के बाद रविवार को दिल्ली लौट आईं। राष्ट्रपति के आधिकारक एक्स हैंडल पर यह जानकारी साझा की गई। उनकी यह यात्रा भारत के साथ इन देशों के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से हुई। राष्ट्रपति ने अपनी यात्रा की शुरुआत 20 जुलाई को मोल्दोवा से की। यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की मोल्दोवा की पहली यात्रा रही। राष्ट्रपति मुर्मु इसके बाद 21 और 22 जुलाई को उत्तरी मैसेडोनिया के दौरे पर रहीं। राष्ट्रपति ने उत्तरी मैसेडोनिया की संसद को भी संबोधित किया और भारत-उत्तरी मैसेडोनिया बिजनेस फोरम के उद्घाटन सत्र में भी हिस्सा लिया। यात्रा के अंतिम चरण में राष्ट्रपति मुर्मु 23 जुलाई को रोमानिया पहुंचीं। तीन दशक से ज्यादा समय में यह किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की रोमानिया की पहली यात्रा रही। इस दौरान भारत और रोमानिया ने अगले तीन वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने पर सहमति जताई। दोनों देशों ने रक्षा समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने पर भी चर्चा की। स्वदेश रवाना होने से पहले राष्ट्रपति ने शनिवार को रोमानिया में भारतीय समुदाय और फ्रेंड्स ऑफ इंडिया संगठन के सदस्यों से भी मुलाकात की। इस दौरे में केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण राज्यमंत्री निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया, सांसद दिनेश शर्मा और सांसद विजय बघेल भी राष्ट्रपति के साथ रहे।

भाषा पर पकड़ बनाने के लिए एकाग्रता, लगन और निरंतर अनुशासन जरूरी: रामबहादुर राय

नई दिल्ली, 26 जुलाई (हि.स.)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने रविवार को कहा कि भाषा पर पकड़ बनाने के लिए एकाग्रता, लगन और निरंतर अनुशासन जरूरी है। रामबहादुर राय ने आज दिल्ली स्थित हिंदी भवन में दिवंगत प्रभात झा की दूसरी पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी और दो पुस्तकों के लोकार्पण अवसर पर यह बात कही। प्रभात झा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, राज्यसभा सांसद एवं 'कमल संदेश' के पूर्व संपादक थे। प्रभात झा की हस्तलिपि और भाषाई पकड़ की सराहना करते हुए रामबहादुर राय ने कहा, 'हिंदी और मैथिली पर उनका अद्भुत अधिकार था। भाषा सीखने के लिए जो आत्मिक अनुशासन और एकाग्रता चाहिए, वह प्रभात के जीवन में स्पष्ट झलकती थी। '

'मन की बात' में प्रधानमंत्री बोले

'मुझे देश की युवा शक्ति पर बहुत गर्व है'

नई दिल्ली, 26 जुलाई (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि उन्हें यह देखकर खुशी होती है कि भारत में ओलंपियाड और हेकेथॉन की संस्कृति निरंतर बढ़ रही है। उन्हें विश्वास है कि देश के अधिक से अधिक युवा ऐसे फोरम में अपनी रूचि दिखाएंगे और भारत का परचम लहराएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज 'मन की बात' के 136वें एपिसोड में कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का सकारात्मक परिणाम आज पूरी दुनिया देख रही है। निजी क्षेत्र द्वारा विकसित भारत के पहले रॉकेट 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण ने देश को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इसे भारतीय युवाओं की प्रतिभा, नवाचार, कौशल और धैर्य का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड में भारतीय छात्रों के शानदार प्रदर्शन की भी सराहना की। भौतिकी और रसायन विज्ञान ओलंपियाड में सभी भारतीय छात्रों ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि जीव विज्ञान ओलंपियाड में भी सभी प्रतिभागियों ने पदक हासिल कर देश का गौरव बढ़ाया। प्रधानमंत्री ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि वे जीवनभर युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करते रहे। उन्होंने आगामी गुरु पूर्णिमा के अवसर पर माता-पिता, शिक्षकों और सभी गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का

आह्वान किया। 'कारगिल विजय दिवस' पर प्रधानमंत्री ने वीर शहीदों और वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया और कहा कि ये दिन हमें अपने वीर जवानों के अद्भुत साहस की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि आज भारत अपने वीर जवानों को याद करने के साथ उनकी विजयगाथा नई पीढ़ी तक पहुंचाता भी है। इस संबंध में उन्होंने 'शौर्य विजय यात्रा' को याद किया और कहा कि 14 जुलाई को दिल्ली के 'राष्ट्रीय समर समारक' से शुरू हुई यह मोटरसाइकिल यात्रा, द्रास के कारगिल वॉर मेमोरियल तक पहुंचेगी।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज भारत अपने सैनिकों के साहस के साथ-साथ अपनी तकनीकी क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। रक्षा उत्पादन, रक्षा निर्यात और मित्र देशों के साथ राजनीतिक सहयोग में भारत लगातार नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। भारतीय नौ-सेना में आईएनएस महेंद्रगिरि शामिल होना, डीआरडीओ ने पिनाका लॉग रेंज गाइड रोकेट का सफल परीक्षण देश की आत्मनिर्भरता की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने पानी की हर बूँद बचाने की अपील करते हुए कहा कि हम भी अपने आसपास किसी एक तालाब, कुएं या बावड़ी की जिम्मेदारी लें। उन्होंने इस संबंध में कुछ उदाहरण दिए। खेल जगत की उपलब्धियों की जानकारी देते हए प्रधानमंत्री ने राष्ट्रमंडल खेलों में भाग ले रहे भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने पी.वी. सिंधु को जापान ओपन जीतने वाली पहली भारतीय बनने पर बधाई दी। साथ ही, लॉर्ड्स में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहली टेस्ट जीत को ऐतिहासिक बताते हुए इसे देश की नारी शक्ति की बड़ी उपलब्धि बताया। इसी क्रम में उन्होंने केरलम में एर्णाकुलम के साउथ चित्तूर में एक स्कूल में संस्कृत क्लब की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां के शिक्षक अभिलाष अनूठे तरीके से संस्कृत को लोकप्रिय बना रहे हैं।

सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का किया ऐलान

बेंगलुरु, 26 जुलाई (हि.स.)। कर्नाटक के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने वर्ष 2028 का विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने अपने चुनावी राजनीतिक जीवन को विराम देने के निर्णय की घोषणा कर दी। रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक विस्तृत पोस्ट में सिद्धारमैया ने कहा कि आज राजनीति का वातावरण काफी प्रदूषित हो चुका है और ईमानदार राजनीति के लिए जगह कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि अब चुनावों में उम्मीदवारों को मतदाताओं को धन देना पड़ता है। इसी कारण उन्होंने भविष्य में कोई भी चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे सक्रिय राजनीति में बने रहेंगे और जनसेवा जारी रखेंगे।

राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, 26 जुलाई (हि.स.)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने शांतिपूर्ण छात्र आंदोलन के दौरान छात्रों के साथ हुई कथित बर्बरता पर जबाव मांगा है।

राहुल गांधी ने इस पत्र को एक्स पर साझा किया है। हमारे छात्र एक निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा प्रणाली की मांग कर रहे थे। उनकी बात सुनने के बजाय, सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया, जिसमें घातक हथियारों और आंसू गैस का इस्तेमाल भी शामिल था। सैकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाते हुए लिखा कि सबसे चौंकाने वाली बात पैलेट गन का

इस्तेमाल है। मीडिया और सोशल मीडिया की रिपोर्टों में साफ तौर पर उन लोगों को दिखाया गया है जो गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है। 'मैं 19 साल के छात्र साहिल लोचब से मिला, जो दर्द में है और पैलेट गन की गोली लगने के कारण उसकी एक आंख की रोशनी जाने का खतरा है। ' दिल्ली में तैनात सुरक्षा बल आखिरकार आपके प्रति जवाबदेह हैं। इसलिए मैं दो सवाल पूछता हूं कि गृह मंत्री के तौर पर क्या आपने छात्रों के खिलाफ पैलेट गन समेत घातक बल के इस्तेमाल को मंजूरी दी थी। अगर नहीं, तो किसने दी। सादे कपड़ों में छात्रों को लाठियों से पीटते हुए जो लोग दिखे, क्या वे पुलिसकर्मी हैं या स्वयंसेवक। उनकी तैनाती की इजाजत किसने दी? उन्होंने कहा कि किसी भी लोकतंत्र के लिए शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन बहुत जरूरी है। प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा करना और बातचीत के जरिए उनकी शिकायतों का समाधान करना सरकार की जिम्मेदारी है। ऐसी बर्बर हिंसा हर नियम को खत्म कर देती है और इसने देश को आक्रोशित कर दिया है। युवा और छात्र, जो हमारे देश का भविष्य हैं जवाब और जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवाड़ी के नवीन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन का किया लोकार्पण

भोपाल (निज संवाददाता)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को निवाड़ी में 25 करोड़ 63 लाख रुपए की लागत से निर्मित नवीन संयुक्त कलेक्ट्रेट भवन का लोकार्पण किया। उन्होंने कलेक्टर कक्ष सहित विभिन्न शाखाओं और परिसर का अवलोकन किया। उन्होंने कलेक्ट्रेट परिसर में पौधरोपण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहुप्रतीक्षित नवीन कलेक्टर कार्यालय की सौगात मिलने से जनसामान्य को पहले से बेहतर और सुलभ तरीके से नागरिक सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। जिला मुख्यालय पर एक ही स्थल पर विभागों के कार्यालय संचालित होने से समयबद्ध और त्वरित रूप से नागरिकों को विभिन्न योजनाओं एवं सरकारी सेवाओं का लाभ सहजता से प्राप्त होगा। लोकार्पण कार्यक्रम के अवसर पर सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री एवं निवाड़ी जिले के प्रभारी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, राज्यसभा सांसद श्री महेश केवट एवं विधायक श्री अनिल जैन सहित स्थानीय उपस्थित रहे।

मुरैना: सीएम राइज स्कूलों के लोकार्पण हेतु एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे विधानसभा अध्यक्ष व मंत्रीगण

मुरैना, 26 जुलाई। कल दिनांक 27 जुलाई 2026 को मुरैना जिले के अंतर्गत सबलगढ़ एवं जौरा विधानसभा में नवीन सीएम राइज स्कूलों के लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों में मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर जी, मुरैना जिले के प्रभारी एवं प्रदेश के मंत्री श्री करण सिंह वर्मा जी, कृषि मंत्री श्री एदल सिंह कंसाना जी तथा मुरैना-श्योपुर के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर जी एक दिवसीय प्रवास पर रहेंगे।

कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 12:00 बजे सबलगढ़ विधानसभा क्षेत्र में सीएम राइज स्कूल का लोकार्पण किया जाएगा, जबकि दोपहर 3:00 बजे जौरा विधानसभा क्षेत्र में सीएम राइज स्कूल के लोकार्पण कार्यक्रम में अतिथि सहभागिता करेंगे।

इस अवसर पर विधायक श्रीमती सरला रावत जी, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री कमलेश कुशवाहा जी सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोवा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

नरवर किले से चोरी हुयी तोप मामले मे शिवपुरी पुलिस एवं राजस्थान पुलिस की संयुक्त कार्यवाही से थाना नरवर के अपराध क्रमांक 128/26 में प्रयुक्त महिंद्रा पिकअप वाहन को जप्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।...

शिवपुरी (निज संवाददाता)। फरियादी रमेश कोली ने थाना आकर रिपोर्ट किया कि वह पुरातत्व विभाग में चौकीदार के पद पर पदस्थ है जिसकी ड्यूटी नरवर किले पर कचहरी महल मे है, दिनांक 15.07.26 को शाम करीब 06 बजे किले से ड्यूटी करके वापस आ गया था। जब दिनांक 16.07.26 को सुबह किले पर पहुंचा तो कचहरी महल मे रखी 14 तोपों मे से 01 तोप नहीं थी जो रात्रि में अज्ञात आरोपिओं द्वारा चुरा ली गयी है, जिसके बाद अधिकारियों को तोप चोरी हो जाने की सूचना दी तथा तोप की तलाश किले मे आस पास की कोई पता नही चला उक्त रिपोर्ट पर से थाना नरवर पर अपराध क्रमांक 128/26 धारा 303(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

प्रकरण पुरातत्व धरोहर की चोरी का होकर गंभीर होने से पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन ग्वालियर श्री अरविन्द कुमार सक्सेना एवं उप पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज ग्वालियर डां. असित यादव व्दारा थाना नरवर जिला शिवपुरी (म.प्र.) के अपराध क्रमांक 128/26 धारा 303(2) बीएनएस में नरवर किले से हुए तोप की चोरी में जल्द से जल्द फरार आरोपीगण की पतारसी हेतु तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिये गये।

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा अपराध की गंभीरता को देखते हुए फरार आरोपीगण पर 10,000/- रुपये का ईनाम घोषित किया, आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाने पर श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन ग्वालियर द्वारा इनाम की राशि को बढ़ाकर 30,000/- रुपये किया गया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवपुरी आर. डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में स्पेशल टीम गठित की गयी। स्पेशल टीम द्वारा घटना मे टेक्नीकल साक्ष्य प्राप्त करने हेतु सायबर सेल शिवपुरी से मदद ली एवं घटना के रुट का पता करने के लिये सीसीटीव्ही फुटेज व टोल प्लाजा कैमरे चैक किये गये जिसमें पिकअप बोलेरो वाहन जिसका रजिस्ट्रेशन क्रमांक ऋछ34व्र2980 का पता मिला जो कि घटना में प्रयुक्त की गयी थी।

उक्त वाहन के रुट का पीछा करते हुए रास्ते मे आने वाले टोल प्लाजा व जगह-जगह के सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की तलाश पतारसी हेतु जिला करौली राजस्थान पहुँचे, आरोपीगण व घटना मे प्रयुक्त वाहन व चोरी गयी तोप की तलाश पतारसी हेतु पुलिस अधीक्षक लोकेश सोनवाल जिला करौली राजस्थान द्वारा जिले की स्पेशल टीम को मदद के लिये उपलब्ध कराया गया।

जिला करौली से प्राप्त स्पेशल टीम के टीम प्रभारी द्वारा बताया गया कि दिनांक 16.07.2026 को सुबह के समय वाहन रजिस्ट्रेशन क्रमांक ऋछ34व्र2980 की एक पिकअप बोलेरो से हथियार लेकर आने की सूचना मिली थी, जिसकी घेराबन्दी की थी लेकिन उक्त पिकअप बोलेरो वाहन पकड़ में नहीं आयी थी, जिसके बाद शिवपुरी पुलिस टीम द्वारा जिला करौली मे प्रकरण के आरोपीगणो व घटना मे प्रयुक्त बुलेरो वाहन की पतारसी हेतु मुखबिर मामूर किये तभी दिनांक 25.07.26 को मुखबिर द्वारा प्रकरण के आरोपी अमन मीणा अपने एक साथी के साथ घटना मे प्रयुक्त महिन्द्रा पिकअप वाहन क्रमांक ऋछ34व्र2980 राजस्थान से शिवपुरी तरफ आने की सूचना प्राप्त हुई सूचना तस्दीक पर से थाना नरवर व थाना सुभाषपुरा से टीम बनाकर मुखबिर के बताये स्थान पर पहुचकर फोर्स की मदद से घेराबन्दी कर थाना नरवर के अपराध क्रमांक 128/26 धारा 303(2) बीएनएस में प्रयुक्त पिकअप बोलेरो वाहन रजिस्ट्रेशन क्रमांक ऋछ34व्र2980 को विधिवत जप्त किया गया व दो आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया।

01. अमन कुमार पुत्र मोहनलाल जाति मीना निवासी पालनपुर थाना सदर हिण्डोन जिला करौली राजस्थान।

02. टिम्मू राम पुत्र श्री भूरा राम जाति मीना निवासी गांवडा मीना थाना सदर जिला करौली राजस्थान।

को विधिवत गिरफ्तार किया गया है।

जप्त मशरुका - एक महिन्द्रा बुलेरो पिकअप क्रमांक ऋछ34व्र2980 कीमती करीब 6,00,000/-रुपये।

सराहनीय कार्यवाही :- उक्त कार्यवाही मे श्री प्रशांत शर्मा एसडीओपी अनुभाग पिछोर, टी. आई. विनय यादव (थाना प्रभारी नरवर), उनि अरविन्द सिंह चौहान (थाना प्रभारी सुभाषपुरा), उनि धर्मेन्द्र जाट (सायबर सेल प्रभारी शिवपुरी), उनि. अभिमन्यु राजावत (चौकी प्रभारी मगरौनी), उनि. मनोज सरयाम, सउनि राधाकृष्ण बंजारा, सउनि सतीष जयन्त थाना नरवर, प्र आर 874 प्रभजोत सिंह, आर 426 नरेन्द्र सिंह मोर्य, आर 206 भूपेन्द्र सिंह (सायबर सेल शिवपुरी), आर 1055 शिवराज यादव, आर 510 रोहित उपाध्याय (एसडीओपी कार्यालय पिछोर शिवपुरी) एवं सउनि श्री राम कुमार (प्रभारी डीएसटी करौली राजस्थान) व अन्य टीम सदस्य जिला स्पेशल टीम करौली राजस्थान की सराहनीय भूमिका रही।

सरोजनी स्कूल में हुआ गुरु वंदन एवं मेधावी छात्र/छात्राओं का अभिनंदन

मुरैना (निज संवाददाता)। नगर के सरोजनी विद्या निकेतन में भारत विकास परिषद द्वारा गुरू वंदन एवं छात्र अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित हुआ , जिसमें विद्यालय के शिक्षक/ शिक्षिकाओं एवं मेधावी छात्र/छात्राओं का अभिनंदन किया गया ।

कार्यक्रम में विशेष रुप से सरोजनी विद्या निकेतन की पूर्व छात्रा प्रिया अग्रवाल के हाल ही में लोक सेवा आयोग द्वारा सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित होने पर उनका एवं उनकी माताश्री का विद्यालय परिवार की ओर से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की ओर से रजनी गुप्ता , अर्चना शर्मा , गौरव मोदी , स्कूल प्राचार्या एवं राज्य आनंद संस्थान की मास्टर ट्रेनर डॉ क्षमा कौशिक, संचालक मणीन्द्र कौशिक एवं शिक्षक/शिक्षिका उपस्थित हुए ।

गौ-हद धाम जनअभियान को मिला संतों का आशीर्वाद, खनेता धाम में हुआ महत्वपूर्ण संवाद

गोहद (निज संवाददाता)। आज ब्रज क्षेत्र-गौ-हद धाम जनअभियान के अंतर्गत खनेता धाम पहुँचकर परम पूज्य महंत श्री के पावन सान्निध्य में गौ-हद धाम की परिकल्पना, गोहद की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर महंत श्री को यह शुभ जानकारी भी दी गई कि गोहद की धार्मिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक विरासत का विषय अब मध्यप्रदेश विधानसभा में उठाया जा चुका है। यह अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसने गौ-हद धाम के संकल्प को नई ऊर्जा और व्यापक जनसमर्थन प्रदान किया है।

महंत श्री ने अभियान की सराहना करते हुए अपना अमूल्य आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। साथ ही यह भी तय किया गया कि आगामी समय में 'गौ-हद धाम परिक्रमा' का आयोजन किया जाएगा, जिसके माध्यम से गोहद की प्राचीन धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का दर्शन, जनजागरण और सांस्कृतिक चेतना का व्यापक संदेश समाज तक पहुँचाया जाएगा।

संतों का आशीर्वाद, जनप्रतिनिधियों का सहयोग और जनता का विश्वास—यही गौ-हद धाम जनअभियान की सबसे बड़ी शक्ति है। आइए, हम सब मिलकर इस ऐतिहासिक अभियान के सहभागी बनें।

थाना तेंदुआ पुलिस द्वारा अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही करते हुये अबैध देशी शराब 73 लीटर व एक मोटर सायकल के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया

शिवपुरी (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा जिले में अवैध जुआ, सट्टा, शराब एवं अबैध मादक पदार्थ की रोकथाम करने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवुपरी एवं एसडीओपी अनुभाग कोलारस के मार्गदर्शन में दिनांक 26.07.2026 को दौराने कोम्बिंग गस्त मुखबिर की सूचना पर से पाली तिराहा फोरलाईन से आरोपीगण 01. सुमित पुत्र हाकिम यादव उम्र 22 साल 02. आकाश पुत्र बालू जाटव उम्र 20 साल निवासीगण ग्राम कड़ेसरा थाना तेन्दुआ जिला शिवपुरी (म.प्र.) के कब्जे से 05 पेटी देशी प्लेन शराब के 250 क्वार्टर एवं 03 पेटी लाल मसाला शराब के 150 क्वार्टर प्रत्येक क्वाटर में 180 मिलीग्राम शराब भरी हुई थी कुल 72 लीटर देशी प्लेन व देशी मसाला शराब कीमती 43000 रूपये एवं मोटरसायकिल क्रमांक एमपी 33 जेड जे 2339 कीमती करीबन 40000 रूपये की जप्त कर आरोपीगणो को गिरफ्तार किया गया । आरोपीगणों के विरूद्ध अपराध धारा 34 (2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबंद्ध कर विवेचना मे लिया गया है । सम्?पूर्ण कार्यवाही में उनि.नीतू सिंह धाकड़ प्रआर.493 गजेन्द्र सिंह सोलंकी,आर. 291 राहुल परिहार, आर. चालक 85 लोकेन्द्र सिंह झाला की विशेष भूमिका रही है।

एनएच-46 पर पुलिस को चकमा देकर भागा महिला का प्रेमी, फिल्मी अंदाज में खेतों की ओर दौड़े तीन आरोपी; दो पकड़ाए, मुख्य आरोपी फरार

शिवपुरी जिले के लुकवासा चौकी क्षेत्र में एनएच-46 स्थित जैन भोजनालय पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब देवास पुलिस की गिरफ्त में चल रहे तीन युवक फिल्मी अंदाज में पुलिस को चकमा देकर फरार होने का प्रयास करने लगे। तीनों आरोपी खेतों की ओर दौड़ पड़े। मौके पर मौजूद लोगों और गौ सेवकों ने पुलिस की मदद करते हुए पीछा किया, जिससे दो आरोपियों को पकड़ लिया गया, जबकि मुख्य आरोपी लल्ला जाटव फरार होने में सफल रहा।

जानकारी के मुताबिक ग्वालियर जिले के जलालपुर निवासी एक विवाहिता, जिसकी शादी देवास जिले में हुई थी और उसका एक मासूम बच्चा भी है, अपने प्रेमी लल्ला जाटव के साथ घर से चली गई थी। महिला की गुमशुदगी की रिपोर्ट देवास जिले के बरोठा थाना में दर्ज कराई गई थी।

जांच के दौरान देवास पुलिस ने झांसी के मोठ क्षेत्र से महिला, उसके मासूम बच्चे, आरोपी लल्ला जाटव और उसके दो साथियों को हिरासत में लिया था। इसके बाद पुलिस सभी को सरकारी वाहन से देवास लेकर जा रही थी।

रास्ते में लुकवासा चौकी क्षेत्र के एनएच-46 स्थित जैन भोजनालय पर आरोपियों ने चाय पीने के बहाने पुलिस वाहन रुकवाया। चाय के बाद तीनों ने पेशाब जाने की बात कही। पुलिस ने जैसे ही उन्हें झाड़ियों की ओर जाने दिया, तीनों अचानक खेतों की तरफ दौड़ पड़े।

आरोपियों को भागता देख देवास पुलिस उनके पीछे दौड़ी। उसी दौरान वहां मौजूद गौ सेवकों की टोली और अन्य लोगों ने भी पुलिस की मदद करते हुए पीछा किया। काफी मशक्कत के बाद दो आरोपियों को पकड़ लिया गया, लेकिन मुख्य आरोपी लल्ला जाटव मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही लुकवासा चौकी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इसके बाद देवास पुलिस पकड़े गए दोनों आरोपियों, महिला और उसके बच्चे को लेकर देवास के लिए रवाना हो गई। फरार आरोपी की तलाश की जा रही है।

जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण मे आमजन अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें- उपाध्यक्ष श्री नागर...

***पारंपरिक जल स्रोतों का संरक्षण समय की आवश्यकता...**

***उपाध्यक्ष श्री नागर का शिवपुरी जिले की नवांकुर एवं स्वैच्छिक संस्थाओं ने किया सम्मान...**

***जल संरक्षण एवं पर्यावरण संवर्धन में जनभागीदारी बढ़ाने का किया आह्वान**

महाविद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम पौधारोपण किया गया

शिवपुरी (निज संवाददाता)। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला शिवपुरी द्वारा रविवार को शासकीय श्रीमंत माधव राव सिंधिया महाविद्यालय के विधि विभाग सभाकक्ष में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष एवं पद्मश्री से सम्मानित श्री मोहन नागर के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर म.प्र. जन अभियान परिषद् के कार्यपालक निदेशक डॉ.बकुल लाड एवं परिषद् के संभागीय समन्वयक सुशील बरूआ का स्वागत किया गया। कार्यक्रम के आरम्भ में परिषद् की जिला समन्वयक डॉ.रीना शर्मा द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया एवं जिले का विस्तृत प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। कार्यपालक निदेशक डॉ. बकुल लाड ने कहा कि श्री मोहन नागर को पद्मश्री सम्मान मिलना पूरे परिषद परिवार के लिए गौरव का विषय है। कार्यपालक निदेशक श्री लाड ने शिवपुरी जिले में किए जा रहे कार्यो की सराहना करते हुए कहा कि जिले की पूरी टीम बधाई की पात्र है। आगामी समय में परिषद की परिकल्पना स्वैच्छिकता, सामूहिकता एवं संगठित होकर सामाजिक क्षेत्र में अपना योगदान दें एवं विकास की धारा से जुड़कर कार्य करें। मुख्य अतिथि पद्मश्री श्री मोहन नागर ने कहा कि पानी रूठकर चला गया है उसे वापस बुलाने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा बावड़ियों सहित पारंपरिक जल स्त्रोतों का संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण एवं जनभागीदारी से किए जा रहे कार्यो की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक पौधारोपण का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया। कार्यक्रम के उपरांत एक पेड़ मां के नाम महाविद्यालय परिसर में पौधे रोपे गए। कार्यक्रम का संचालन नरवर विकास खण्ड समन्वयक महेश परिहार ने किया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक, नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के विद्यार्थी, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा परिषद के परामर्शदाता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में विकास खण्ड समन्वयक शिवपुरी शिशुपाल सिंह जादौन ने आभार व्यक्त किया।

श्रमिकों की सुरक्षा पर जिला प्रशासन सख्त दुर्घटना की सूचना तुरंत दें, राहत और कानूनी सहायता में नहीं होगी देरी

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले में कार्यरत श्रमिकों की सुरक्षा, अधिकारों की रक्षा और कार्यस्थलों पर होने वाली दुर्घटनाओं में त्वरित सहायता सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कलेक्टर शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में श्रम विभाग ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि किसी भी कार्यस्थल पर छोटी या बड़ी दुर्घटना होने पर उसकी सूचना तत्काल श्रम विभाग को देना अनिवार्य होगा, ताकि प्रभावित श्रमिकों को समय पर उपचार, राहत और वैधानिक सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

श्रम विभाग ने कहा है कि कई बार दुर्घटनाओं की जानकारी समय पर नहीं मिलने से पीड़ित श्रमिकों को शासकीय योजनाओं और कानूनी अधिकारों का लाभ मिलने में देरी हो जाती है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब दुर्घटना की सूचना बिना किसी विलंब के कार्यालय श्रम पदाधिकारी, श्योपुर तक पहुंचाना आवश्यक होगा।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी फैक्ट्री, निर्माण स्थल, औद्योगिक इकाई या अन्य कार्यस्थल पर कोई दुर्घटना होती है, तो संबंधित श्रमिक, नियोक्ता अथवा कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति तत्काल इसकी सूचना श्रम विभाग को दे सकता है। इससे विभाग मौके पर आवश्यक कार्रवाई कर प्रभावित श्रमिक को राहत, उपचार और नियमानुसार मिलने वाली सहायता समय पर उपलब्ध करा सकेगा।

गंभीर दुर्घटना की स्थिति में प्रबंधन और स्थानीय नागरिकों से अपील की गई है कि वे तथ्यात्मक एवं अद्यतन जानकारी तत्काल दूरभाष नंबर 9425130650 अथवा ई-मेल loshepur@mp.gov.in पर उपलब्ध कराएं।

जिला प्रशासन ने कहा है कि श्रमिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और प्रत्येक श्रमिक का अधिकार है कि दुर्घटना की स्थिति में उसे त्वरित चिकित्सा, राहत और कानूनी संरक्षण मिले। प्रशासन ने सभी औद्योगिक प्रतिष्ठानों, ठेकेदारों और श्रमिकों से अपील की है कि सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा किसी भी दुर्घटना को छिपाने के बजाय तत्काल विभाग को सूचित करें, ताकि समय पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

थाना सतनवाडा पुलिस द्वारा वारंटीयों की धरपकड़ की कार्यवाही करते हुये आरसीटी क्रमांक 1109/20 में फरार स्थाई वारंटी छोटू कुशवाह को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया।....

शिवपुरी (निज संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्रीमती यांगचेन डोलकर भूटिया द्वारा स्थाई वारंटियो की धरकपड हेतु दिये गये आदेशानुसार अति.

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री आर. डी. प्रजापति एवं नगर पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री सचिन कुमार धुर्वे के कुशल मार्गदर्शन मे दिनांक 25.07.2026 को थाना सतनवाडा ने माननीय न्यायालय श्रीमती प्रीती परिहार न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी शिवपुरी के प्रकरण क्रमांक आरसीटी/1109/20 में स्थाई वारण्टी दिनांक 12.02.20 से फरार स्थायी वारण्टी छोटू कुशवाह पुत्र सरमन कुशवाह उम्र 26 साल निवासी ग्राम बामोर थाना सतनवाडा जिला शिवपुरी को ग्राम बामोर में फोर्स की मदद से पकडा और उसका नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम छोटू कुशवाह पुत्र सरमन कुशवाह उम्र 26 निवासी ग्राम बामोर थाना सतनवाडा जिला शिवपुरी का होना बताया । उक्त व्यक्ति को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया

सराहनीय योगदान- उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी सतनवाडा उनि.बी.आर. पुरोहित, प्र.आर. 134 सुरेन्द्र 39 विनोद राठौर, आर. 1008 रामप्रकाश, आर. 565 गजराज सिंह, आर. 521 सौरभसुमन, आर. आर. 1139 राजावत का सराहनीय योगदान रहा है। **सहयोगी जनता – सक्रिय पुलिस सुरक्षित समाज**

अब न्याय होगा आसान

एक कॉल पर मिलेगी मुफ्त कानूनी सहायता, NALSA की हेल्पलाइन 15100 बनी आमजन का सहारा

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। आर्थिक या सामाजिक कारणों से न्याय से वंचित रहने वाले जरूरतमंद लोगों के लिए राहत भरी खबर है। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (ह्वस्रू) द्वारा आम नागरिकों को टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के माध्यम से निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस पहल का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक तक न्याय की आसान पहुंच सुनिश्चित करना तथा समाज में विधिक जागरूकता को बढ़ावा देना है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि श्योपुर जिले के नागरिक किसी भी प्रकार की कानूनी सलाह, निःशुल्क विधिक सहायता अथवा न्यायिक प्रक्रिया से संबंधित जानकारी के लिए जिला विधिक सहायता अधिकारी अंकिता शांडिल्य से एडीआर सेंटर, जिला न्यायालय श्योपुर में संपर्क कर सकते हैं। निःशुल्क विधिक सहायता के अंतर्गत पात्र व्यक्तियों को कानूनी परामर्श, अधिवक्ता की सुविधा तथा विभिन्न न्यायालयीन मामलों में आवश्यक सहायता प्रदान की जाती है। इसके अलावा पारिवारिक विवाद, घरेलू हिंसा, महिला एवं बाल अधिकार, श्रम विवाद, उपभोक्ता शिकायत, सामाजिक न्याय एवं अन्य विधिक मामलों में भी पात्र नागरिकों को निःशुल्क सहयोग उपलब्ध कराया जाता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का कहना है कि न्याय केवल सक्षम लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उसकी पहुंच सुनिश्चित हो। इसी उद्देश्य से यह व्यवस्था संचालित की जा रही है, ताकि जरूरतमंद नागरिक बिना किसी आर्थिक बोझ के अपने कानूनी अधिकारों का संरक्षण कर सकें। प्राधिकरण ने जिले के सभी नागरिकों से अपील की है कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की कानूनी सहायता या परामर्श की आवश्यकता हो तो वे बिना किसी संकोच के टोल-फ्री हेल्पलाइन 15100 पर संपर्क करें अथवा एडीआर सेंटर, जिला न्यायालय श्योपुर पहुंचकर जिला विधिक सहायता अधिकारी से मार्गदर्शन प्राप्त करें।

अच्छी बारिश की आस में जागी लोक आस्था

सिर पर 'मेढ़कड़ी' लेकर घर-घर पहुंचीं बालिकाएं, इंद्र देव से की मेहर की प्रार्थना

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। श्योपुर जिले में इस वर्ष अब तक सामान्य से कम वर्षा होने के कारण किसानों की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। जुलाई माह समाप्ति की ओर है, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने से खेत सूखे पड़े हैं और धान सहित अन्य खरीफ फसलें मुरझाने लगी हैं। खेती-किसानी पर निर्भर जिले के हजारों किसान आसमान की ओर टकटकी लगाए अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे हैं। ऐसे में अब ग्रामीण अंचलों में सदियों पुरानी लोक परंपराएं और वर्षा के लिए किए जाने वाले पारंपरिक अनुष्ठान फिर से जीवंत हो उठे हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों में गांव की बालिकाएं सिर पर गोबर से तैयार की गई 'मेढ़कड़ी' रखकर, उसमें घास और जलती हुई अगरबत्तियां सजाकर घर-घर पहुंच रही हैं। वे लोकगीत गाते हुए ग्रामीणों से मेढ़कड़ी पर जल अर्पित करने और इंद्र देव से अच्छी वर्षा की प्रार्थना करने का आग्रह कर रही हैं।

बालिकाओं की टोली पूरे गांव में घूमते हुए भावपूर्ण स्वर में लोकगीत गा रही है—

'इंद्र देवता बेगो आ... मेढ़कड़ी को पानी पुआ... बरसुंगु बरसाउंगी... '

इन गीतों के साथ ग्रामीण श्रद्धापूर्वक मेढ़कड़ी पर जल चढ़ाते हैं और भगवान इंद्र से क्षेत्र में अच्छी वर्षा, भरपूर फसल और समृद्धि की कामना करते हैं। गांवों में यह दृश्य लोगों की आस्था और प्रकृति के प्रति उनके गहरे जुड़ाव का प्रतीक बन गया है।

खेत सूखे, किसान चिंतित

अल्प वर्षा के कारण कई किसानों ने खेतों की जुताई और तैयारी तो कर ली है, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने से बोवनी का कार्य प्रभावित हो रहा है। जहां धान की रोपाई हो चुकी है, वहां फसल सूखने की कगार पर पहुंच रही है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो उत्पादन पर गंभीर असर पड़ सकता है।

सनातन परंपरा से जुड़ी है यह लोक आस्था

ग्रामीणों के अनुसार यह परंपरा केवल एक टोटका नहीं, बल्कि प्रकृति और वर्षा के प्रति आस्था का प्रतीक है। सनातन संस्कृति में भगवान श्रीकृष्ण ने ब्रजवासियों को इंद्र के अहंकार का त्याग कर प्रकृति और गोवर्धन पर्वत की पूजा का संदेश दिया था। उसी परंपरा की झलक आज भी गांवों में देखने को मिलती है।

गाय के गोबर को भारतीय संस्कृति में 'गोबर-धन' माना जाता है। गोबर से बनाई गई प्रतीकात्मक आकृति को सिर पर रखकर उस पर जल अर्पित करना प्रकृति, पशुधन और वर्षा के प्रति सम्मान व्यक्त करने का एक पारंपरिक तरीका है।

पीढ़ियों से चली आ रही है यह परंपरा

देश के कई राज्यों के ग्रामीण क्षेत्रों में सूखे या कमजोर मानसून के दौरान बच्चे और बालिकाएं समूह बनाकर इसी तरह घर-घर जाते हैं। वे लोकगीत गाते हैं और ग्रामीण उन पर पानी डालकर अच्छी वर्षा की कामना करते हैं। मान्यता है कि सामूहिक प्रार्थना और लोक आस्था से इंद्र देव प्रसन्न होते हैं तथा क्षेत्र में अच्छी वर्षा होती है।

श्योपुर के गांवों में इन दिनों यह मनमोहक दृश्य एक बार फिर देखने को मिल रहा है, जहां आधुनिक दौर में भी लोक संस्कृति और परंपराओं की खुशबू बरकरार है। किसानों की आंखों में उम्मीद है कि उनकी प्रार्थनाएं रंग लाएंगी और जल्द ही मेघ बरसेंगे, जिससे खेत लहलहाएंगे और पूरे जिले में खुशहाली लौटेगी।

'मन की बात' में श्योपुर भाजपा नगर मंडल का दमदार प्रदर्शन

लगातार 36वीं बार प्रदेश में बनाया स्थान, संगठनात्मक मजबूती का बना उदाहरण

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। भारतीय जनता पार्टी श्योपुर नगर मंडल ने संगठनात्मक सक्रियता और बूथ स्तर पर मजबूत नेटवर्क का एक बार फिर परिचय देते हुए उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण में श्योपुर नगर मंडल ने प्रदेश के 1070 मंडलों के बीच लगातार 36वीं बार स्थान प्राप्त कर संगठनात्मक मजबूती का परिचय दिया है।

बताया गया कि 'मन की बात' कार्यक्रम को बूथ स्तर तक पहुंचाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने तथा संगठन ऐप पर निर्धारित समय सीमा में कार्यक्रम की जानकारी अपलोड करने के कारण श्योपुर नगर मंडल लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। इस उपलब्धि को संगठन के अनुशासन, समन्वय और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका का परिणाम माना जा रहा है।

इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष संजय मंगल ने सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि संगठन के प्रत्येक समर्पित कार्यकर्ता के सामूहिक प्रयास, अनुशासन और निरंतर मेहनत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही भाजपा संगठन की सबसे बड़ी ताकत है।

उन्होंने कहा कि लगातार 36वीं बार प्रदेश स्तर पर स्थान प्राप्त करना श्योपुर नगर मंडल की संगठनात्मक क्षमता और कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। आने वाले समय में संगठन को और अधिक मजबूत बनाते हुए प्रदेश में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ कार्य किया जाएगा।

भाजपा नेताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि कार्यकर्ताओं के समर्पण और संगठन की मजबूत कार्यशैली के बल पर श्योपुर नगर मंडल भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करता रहेगा और संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

कारगिल विजय दिवस पर गूंजा राष्ट्रभक्ति का स्वर

शहीदों के शौर्य को किया नमन, युवाओं से बोले वक्ता—'राष्ट्र प्रथम की भावना को जीवन का लक्ष्य बनाएं'

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, श्योपुर में शनिवार को कारगिल विजय दिवस पूरे उत्साह, गौरव और राष्ट्रभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को याद किया गया। महाविद्यालय परिसर देशभक्ति के नारों और राष्ट्रप्रेम की भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ओपी शर्मा ने कहा कि भारतीय सेना के जवान विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी अनुशासन, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों का आह्वान करते हुए कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। यदि युवा उच्च नैतिक मूल्यों, अनुशासन और ज्ञान-कौशल को अपनाकर आगे बढ़ेंगे तो भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने का सपना साकार होगा।

मुख्य वक्ता प्रो. अनिल तोमर ने कारगिल युद्ध के ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कारगिल विजय केवल सैन्य सफलता नहीं, बल्कि भारतीय सैनिकों की अदम्य इच्छाशक्ति, राष्ट्रभक्ति और अद्वितीय पराक्रम का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक यदि अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करे, तो वही कारगिल के अमर शहीदों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित भूतपूर्व सैनिक जेपी शर्मा ने अपने अनुभव साझा करते हुए विद्यार्थियों को कारगिल युद्ध की वास्तविक परिस्थितियों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि शून्य से नीचे तापमान, दुर्गम पहाड़ियां और विषम परिस्थितियां भी भारतीय सैनिकों के हौसलों को नहीं डिगा सकीं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना का प्रत्येक जवान राष्ट्र की रक्षा को सर्वोच्च कर्तव्य मानकर हर चुनौती का सामना करता है।

इस अवसर पर डॉ. लोकेंद्र सिंह जाट ने कहा कि कारगिल की बर्फीली चोटियों पर भारतीय सैनिकों ने अपने अदम्य साहस और सर्वोच्च बलिदान से ऐसा इतिहास रचा, जिस पर पूरा देश सदैव गर्व करेगा। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह संदेश दिया कि राष्ट्र की अखंडता, सुरक्षा और स्वाभिमान से बढ़कर कुछ भी नहीं है। विद्यार्थियों से उन्होंने राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना को जीवन में अपनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में एनसीसी अधिकारी कैप्टन प्रो. अरविंद दोहरे, प्रो. वेदांकी खंडेलवाल, डॉ. आसिफ कुरैशी, डॉ. राहुल सैनी, डॉ. वीरेंद्र कुमार रजक सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स, एनएसएस स्वयंसेवकों और छात्र-छात्राओं ने सहभागिता कर कारगिल के अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जहां उपस्थित सभी लोगों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए कारगिल के वीर सपूतों के पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

कुंड हवेली में बेखौफ चोरों का आतंक

दीवार तोड़कर दो घरों में लाखों की चोरी की आशंका, ग्रामीणों में दहशत

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। जिले के देहात थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुंड हवेली में अज्ञात चोरों ने शनिवार देर रात दुस्साहसिक चोरी की वारदात को अंजाम देकर पुलिस की रात्रि गश्त और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। चोरों ने दो मकानों की दीवार तोड़कर घरों में प्रवेश किया और नकदी, जेवरात सहित अन्य कीमती सामान पर हाथ साफ कर फरार हो गए। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार, अज्ञात बदमाशों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाते हुए पहले एक मकान की दीवार तोड़ी और फिर दूसरे घर को भी निशाना बनाया। सुबह जब परिवार के लोगों की नींद खुली तो घर का सामान बिखरा पड़ा मिला और चोरी का पता चलते ही हड़कंप मच गया। घटना की सूचना तत्काल देहात थाना पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरी गए सामान का आकलन किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच में अज्ञात चोरों द्वारा सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई जा रही है।

घटना के बाद ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों का माहौल है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में रात्रि गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है। उनका कहना है कि लगातार चोरी की घटनाओं से लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और अज्ञात चोरों की तलाश के लिए आसपास के क्षेत्रों में भी पड़ताल की जा रही है। चोरी में कितना नुकसान हुआ है, इसका अंतिम आंकलन पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।

वार्ड-13 में विकास को मिली नई रफ्तार

40 लाख से अधिक के सीसी रोड और नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन, रहवासियों ने जताया आभार

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। शहर के वार्ड क्रमांक-13 में लंबे समय बेहतर सड़क और जल निकासी व्यवस्था की मांग को आखिरकार अमलीजामा पहनाया गया। नगर पालिका परिषद श्योपुर द्वारा रविवार को ?40 लाख से अधिक की लागत से बनने वाले सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया गया। इन विकास कार्यों के शुरू होने से वार्डवासियों में खुशी का माहौल है और लोगों ने इसे क्षेत्र के बुनियादी विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

भूमिपूजन कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष रेणू-सुजीत गर्ग, भाजपा जिला महामंत्री संजय अकोदिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष हरि सिंह मीणा (लवली), पार्षदगण, उपयंत्री पवन कुमार गर्ग तथा वार्ड के वरिष्ठ नागरिक एवं बड़ी संख्या में स्थानीय रहवासी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष ने कहा कि नगर के प्रत्येक वार्ड में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार परिषद की प्राथमिकता है। बेहतर सड़कें और सुदृढ़ जल निकासी व्यवस्था से न केवल नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, बल्कि बरसात के दिनों में जलभराव जैसी समस्याओं से भी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि परिषद नगर के समग्र विकास के लिए लगातार कार्य कर रही है और सभी वार्डों में चरणबद्ध तरीके से विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने भी कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आम नागरिकों को जल्द से जल्द इसका लाभ मिल सके।

भूमिपूजन के दौरान वार्डवासियों ने लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने पर नगरपालिका अध्यक्ष एवं नगर परिषद का आभार व्यक्त किया। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि सीसी रोड और नाली निर्माण से क्षेत्र की तस्वीर बदलेगी, आवागमन सुगम होगा तथा स्वच्छता व्यवस्था भी बेहतर बनेगी।

कारगिल विजय दिवस पर एबीवीपी की विद्यार्थी संगोष्ठी

वीर जवानों के शौर्य को किया नमन, युवाओं में जगाया राष्ट्रभक्ति का जज़्बा

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) श्योपुर नगर द्वारा कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, श्योपुर में विद्यार्थी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च बलिदान को स्मरण किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच राष्ट्रभक्ति, राष्ट्र सुरक्षा और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विस्तृत चर्चा की गई।

संगोष्ठी में पूर्व सैनिक जगदीश प्रसाद शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने कारगिल युद्ध के संघर्षपूर्ण अनुभवों, दुर्गम परिस्थितियों में भारतीय सेना के अद्वितीय साहस और मातृभूमि की रक्षा के लिए सैनिकों के समर्पण का प्रेरणादायी वर्णन किया। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीरों का बलिदान प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है और युवाओं को उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारना चाहिए।

वक्ताओं ने कहा कि कारगिल विजय केवल एक सैन्य सफलता नहीं, बल्कि भारत की एकता, अखंडता और सैनिकों के अदम्य पराक्रम का प्रतीक है। विद्यार्थियों से आह्वान किया गया कि वे राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए अनुशासन, सेवा और समर्पण की भावना के साथ देश के विकास में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम में कॉलेज अध्यक्ष अभिषेक मीणा, कॉलेज मंत्री अभिषेक सिकरवार एवं प्रांत कार्यकारिणी सदस्य मीनाक्षी जाटव मंचासीन रहे। वहीं नगर मंत्री विष्णु वाल्मीकि, विभू शर्मा, ध्रुव गर्ग, सुनील गुर्जर, शिवम भदौरिया, हंसराज गुर्जर, निरंजन गोस्वामी सहित एबीवीपी कार्यकर्ता, एनएसएस के छात्र-छात्राएं, प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने कारगिल के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान देशभक्ति का उत्साह और वीर जवानों के प्रति सम्मान का भाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

बिजली सुधार कार्य के दौरान विवाद, दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट के लगाए आरोप

जिला ब्यूरो - संगीता गुप्ता

श्योपुर। शहर के विकास नगर क्षेत्र में बिजली सुधार कार्य के दौरान विवाद हो गया। घटना के बाद दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर मारपीट और अभद्रता के आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई शिकायत में आउटसोर्स कर्मचारी राकेश गुर्जर ने बताया कि वह अपने साथियों गणेश बाथम, हनुमान बाथम और सोनू पांचाल के साथ विकास नगर में एक उपभोक्ता के यहां बिजली सुधार कार्य कर रहा था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले दीपक शिवहरे ने कथित रूप से बिजली बिल और डबल फीस को लेकर विवाद शुरू कर दिया। शिकायत के अनुसार, गाली-गलौज के बाद दीपक शिवहरे ने बच्चों की छोटी साइकिल उठाकर हमला कर दिया, जिससे राकेश के हाथ की उंगली, गर्दन और ठुड्डी पर चोट आई। राकेश ने आरोप लगाया कि आरोपी ने जान से मारने की धमकी भी दी। इस संबंध में कोतवाली थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं दूसरे पक्ष के दीपक शिवहरे ने भी थाना कोतवाली में दिए आवेदन में आरोप लगाया कि उनके घर की बिजली खराब होने और घरेलू उपकरण खराब होने की शिकायत करने पर बिजली सुधार कार्य कर रहे कर्मचारियों से कहासुनी हो गई। दीपक का आरोप है कि इस दौरान उसके साथ धक्का-मुक्की और मारपीट की गई तथा बीच-बचाव करने आई उसकी पत्नी गायत्री शिवहरे के साथ भी धक्का-मुक्की की गई। बाद में मोहल्ले के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। फिलहाल पुलिस ने दोनों पक्षों के आवेदन और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। जांच के बाद साक्ष्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

संकट बनती निर्माणाधीन सुरंगें

मानव जीवन के लिए प्रकृति को छलनी कर किया जा रहा आधुनिक विकास, जहां जरूरी है, वहीं संकट का सबब भी बन रहा है।सिक्किम के नामची जिले में समरडुंग-झोलुंगे में नामची जल विद्युत सुरंग परियोजना (तीस्ता नदी चरण-5) की निर्माणाधीन सुरंग में तेज बारिश, भूस्खलन और जहरीली गैस मीथेन के रिसाव चलते बड़ी दुर्घटना घटी है। इसमें 20 मजदूरों की मौत हो गई। कुल 25 मजदूर घटना के समय सुरंग में काम कर रहे थे। 500 मेगावाट की इस परियोजना में विस्फोट के कारण मिथेन का रिसाव हुआ बताया जा रहा है। रिसाव के चलते राष्ट्रीय और राज्य आपदा राहत दलों को बचाव कार्य में कठिनाई आ रही है। सुरंग के भीतर ऑक्सीजन का स्तर बहुत कम रह गया था। इस कारण कई बेहोश हो गए थे। फंसे लोगों को निकालने के लिए हरसंभव प्रयास हो रहे हैं। सुरंगों के लिए किए जाने वाले भीषण विस्फोटों को भूस्खलन एक बड़ा कारण माना जा रहा है। नामची जिले में जल विद्युत ऊर्जा निगम तीस्ता छह परियोजनाओं के लिए सुरंगें बनाई जा रही हैं। समूचे हिमालय में घट रही ऐसी घटनाएं पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर बड़े सवाल खड़े कर रही हैं।

इस सुरंग के अलावा सिक्किम के ऊंचाई वाले नगरों व ग्रामों तक पहुँच आसान बनाने के लिए अनेक सुरंगें निर्माणाधीन हैं। इनमें 578 मीटर लंबी एक सुरंग मंगन जिले की सीमा में गंगटोक-चुंगथांग राजमार्ग पर बन रही है। दूसरी प्रमुख सुरंग सिवोक-रंगपो है। इसे पाक्योंग जिले में भारत-तिब्बत तक बनाया जा रहा है। यह सुरंग सीमा तक सैनिकों की आवाजाही को आसान बनाएगी। मालूम हो, बीते साल फ़रवरी 2025 में तेलंगाना के नगरकुरनूल जिले के डोमलपेंटा गांव में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में फंसे आठ लोगों का जीवन बचाने में अनेक मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा था। 42 किमी लंबी यह सुरंग बनने के बाद दुनिया की सबसे लंबी पानी की सुरंग कहलाएगी। 2023 में उत्तराखंड के उत्तरकाशी में निर्माणाधीन सुरंग का एक हिस्सा भूमि में धंस जाने के कारण 40 मजदूर फंस गए थे। उनके प्राण पिछले कुछ दिनों से संकट में जरूर हैं, लेकिन उन्हें बचा लिया गया था।

यह हादसा उत्तरकाशी से 55 किमी दूर निर्माणाधीन सिल्क्यारा-पोलगांव सुरंग के भीतर हुआ था। यह हादसा भू-स्खलन के कारण सुरंग का 15 मीटर हिस्सा जमीन में धंस जाने के कारण घटित हुआ था। बरसात के मौसम में सुरगें मलबे और पानी से भर जाती हैं। फंसे लोगों को बचाने के लिए रैट माइनर्स अर्थात चूहों की तरह खदान खोदने वाले विशेषज्ञ खनिक इस काम को अंजाम तक पहुंचा पाते हैं। यही सिक्किम के लोगों को बचने के काम में जुटे हैं। बचाव दल रोबोटिक कैमरों की मदद से लोगों तक बमुशिकल पहुँच पता है। ये थर्मल फिशिंग नौका से सुरंग के अंदर पहुंचते हैं।

वर्तमान में देशभर के पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी करके सड़कों, रेल लाइन, नहरों के पानी की निकासी, नदी जोड़ों और जल विद्युत परियोजनाओं के लिए हिमालय के शिखरों से लेकर मध्य और दक्षिण भारत के अनेक पहाड़ो को खोदा जा रहा है। इन कठिन कार्यों को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए अनेक दुर्घटनाओं का सामना भी करना पड़ रहा है। समूचे हिमालय क्षेत्र में बीते एक दशक से पर्यटकों के लिए सुविधाएं जुटाने के परिप्रेक्ष्य में जल विद्युत संयंत्र और रेल परियोजनाओं की बाढ़ आई हुई है। इन योजनाओं के लिए हिमालय क्षेत्र में रेल गुजारने और कई हिमालयी छोटी नदियों को बड़ी नदियों में डालने के लिए सुरंगें निर्मित की जा रही हैं। बिजली परियोजनाओं के लिए जो संयंत्र लग रहे हैं, उनके लिए हिमालय को खोखला किया जा रहा है।

इस आधुनिक औद्योगिक और प्रौद्योगिकी विकास का ही परिणाम है कि आज हिमालय ही नहीं, हिमालय के शिखर दरकने लगे हैं, जिन पर हजारों साल से मानव बसाहटें अपने ज्ञान-परंपरा के बूते जीवन-यापन करने के साथ हिमालय और वहां रहने वाले अन्य जीव-जगत की भी रक्षा करते चले आ रहे हैं। हिमालय और पृथ्वी सुरक्षित बने रहें, इस दृष्टि से कृतज्ञ मनुष्य ने अथर्ववेद में लिखे पृथ्वी-सूक्त में अनेक प्रार्थनाएं की हैं। यह सूक्त में राष्ट्रीय अवधारणा एवं वसुधैव कुटुंबकम् की भावना को विकसित, पोषित एवं फलित करने के लिए मनुष्य को नीति और धर्म से बांधने की कोशिश की हैं। लेकिन हमने कथित भौतिक सुविधाओं के लिए अपने आधार को ही नष्ट करने का काम आधुनिक विकास के बहाने कर दिया। जोशीमठ इसी अनियोजित विकास की परिणति है।

उत्तराखंड के चमोली जिले में आने वाले जोशीमठ शहर ने कई अप्रिय कारणों से नीति-नियंताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा जारी उपग्रह तस्वीरों से जोशीमठ के हिमालय के गर्भ में धंस जाने की चिंता जताई है। सिमटती धरती की इन प्रामाणिक सच्चाइयों को छिपाने के लिए राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और उत्तराखंड सरकार ने अंतरिक्ष एजेंसी समेत कई सरकारी संस्थानों को निर्देश दिया है कि वे मीडिया के साथ जानकारी साझा न करे। उत्तराखंड में गंगा और उसकी सहयोगी नदियों पर एक लाख तीस हजार करोड़ की जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इनमें से कई पूरी भी हो गई हैं। इन संयंत्रों की स्थापना के लिए लाखों पेड़ों को काटने के बाद पहाड़ों को निर्ममता से छलनी किया जा रहा है और नदियों पर बांध निर्माण के लिए बुनियाद हेतु गहरे गड्ढे खोदकर खंबे व दीवारें खड़े किए जाते हैं। कई जगह सुरंगे बनाकर पानी की धार को संयंत्र के पंखों पर डालने के उपाय किए गए हैं। इन गड्ढों और सुरंगों की खुदाई में ड्रिल मशीनों से जो कंपन होता है, वह पहाड़ की परतों की दरारों को खाली कर देता है और पेड़ों की जड़ों से जो पहाड़ गुंथे होते हैं, उनकी पकड़ भी इस कंपन से ढीली पड़ जाती है। नतीजतन तेज बारिश के चलते पहाड़ों के ढहने और हिमखंडो के टूटने की घटनाएं पूरे हिमालय क्षेत्र में लगातार बढ़ जाती हैं। यही नहीं कठोर पत्थरों को तोड़ने के लिए भीषण विस्फोट भी किए जाकर हिमालय को हिलाया जा रहा है। हिमालय में अनेक रेल परियोजनाएं भी निर्माणाधीन है। सबसे बड़ी रेल परियोजना उत्तराखंड के चार जिलों (टेहरी, पौड़ी, रुद्रप्रयाग और चमोली) के तीस से ज्यादा गांवों को भी विकास की कीमत चुकानी पड़ रही है। छह हजार परिवार विस्थापन के दायरे में आ गए हैं। रुद्रप्रयाग जिले के मरोड़ा गांव के सभी घर दरक गए है। रेल विभाग ने इनके विस्थापन की तैयारी कर ली है। यह तो शुरुआत है, लेकिन ये विकास इसी तरह जारी रहते हैं तो बर्बादी का नक्शा बहुत विस्तृत होगा। दरअसल ऋषिकेश से कर्णप्रयाग रेल परियोजना 125 किमी लेगी है। इसके लिए सबसे लंबी सुरंग देवप्रयाग से जनासू तक बनाई जा रही है, जो 14.8 किमी लंबी है। केवल इसी सुरंग का निर्माण बोरिंग मशीन से किया जा रहा है। बांकी जो 15 सुरंगें बन रही हैं, उनमें ड्रिल तकनीक से बारूद लगाकर विस्फोट किए जा रहे हैं। इस परियोजना का दूसरा चरण कर्णप्रयाग से जोशीमठ के बजाय अब पीपलकोटी तक होगा। भू-गर्भीय सर्वेक्षण के बाद रेल विकास निगम ने जोशीमठ क्षेत्र की भौगोलिक संरचना को परियोजना के अनुकूल नहीं पाया था। इसलिए अब इस परियोजना का अंतिम पड़ाव पीपलकोटी कर दिया है,जो एक अच्छी पहल है। हिमालय की ठोस व कठोर अंदरूनी सतहों में ये विस्फोट दरारें पैदा करके पेड़ों की जड़े हिला रहे हैं। हिमालय की अलकनंदा नदी घाटी ज्यादा संवेदनशील है। रेल परियोजनाएं इसी नदी से सटे पहाड़ों के नीचे और ऊपर निर्माणाधीन हैं।

हिमालय में हाल ही में केन-बेतवा नदी जोड़ों अभियान की तर्ज पर उत्तराखंड में देश की पहली ऐसी परियोजना पर काम शुरू हो गया है, जिसमें हिमनद (ग्लेशियर) की एक धारा को मोड़कर बरसाती नदी में पहुंचाने का प्रयास हो रहा है। यदि यह परियोजना सफल हो जाती है तो पहली बार ऐसा होगा कि किसी बरसाती नदी में सीधे हिमालय का बर्फीला पानी बहेगा। हिमालय की अधिकतम ऊंचाई पर नदी जोड़ने की इस महापरियोजना का सर्वेक्षण शुरू हो गया है। इस परियोजना की विशेषता है कि पहली बार उत्तराखंड के गढ़वाल मंडल की एक नदी को कुमाऊं मंडल की नदी से जोड़कर बड़ी आबादी को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। यही नहीं एक बड़े भू-भाग को सिंचाई के लिए भी पानी मिलेगा। 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत इस परियोजना पर काम किया जा रहा है। लेकिन इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए जिस सुरंग का निर्माण कर पानी नीचे लाया जाएगा, उसके निर्माण में हिमालय के शिखर-पहाड़ों को खोदकर सुरंगों एवं नालों का निर्माण किया जाएगा, उनके लिए ड्रिल मशीनों से पहाड़ों को छेदा जाएगा और विस्फोट से पहाड़ों को शिथिल किया जाएगा। यह स्थिति हिमालयी पहाड़ों के पारिस्थितिकी तंत्र के लिए नया बड़ा खतरा साबित हो सकती है। हिमालय के लिए बांधों के निर्माण पहले से ही खतरा बनकर कई मर्तबा बाढ़, भूस्खलन और केदारनाथ जैसी प्रलय की आपदा का कारण बन चुके हैं।

हर पाँचवाँ भारतीय होगा बुजुर्ग : क्या भारत तैयार है इस नई चुनौती के लिए ?

बृज खंडेलवाल द्वारा

26 जुलाई 2026

एक सुबह घर में अजीब-सी ख़ामोशी उतर आती है। बच्चे अपने-अपने शहरों में खो चुके हैं। फ़ोन की घंटी अब कम ही बजती है। घुटनों का दर्द बढ़ता है, यादें धुंधली पड़ने लगती हैं और तन्हाई बिना दस्तक दिए घर की स्थायी मेहमान बन जाती है। यह सिर्फ़ कुछ बुजुर्गों की कहानी नहीं, बल्कि उस भारत की तस्वीर है, जहाँ हर पाँचवाँ नागरिक जल्द ही बुजुर्ग होगा।

भारत अब एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां उसकी सबसे बड़ी ताकत ही उसकी सबसे बड़ी चुनौती बनने जा रही है। दुनिया लंबे समय तक भारत को 'यंग इंडिया' के नाम से जानती रही, लेकिन आने वाले वर्षों में तस्वीर बदलने वाली है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (ह्स्नक्क) की 2023 की रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2050 तक देश में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की संख्या बढ़कर लगभग 34.7 करोड़ हो जाएगी। यानी हर पांचवां भारतीय वरिष्ठ नागरिक होगा। आज यह संख्या लगभग 15 करोड़ है। यह केवल जनसंख्या का बदलाव नहीं, बल्कि समाज, अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं और पारिवारिक व्यवस्था में आने वाले बड़े परिवर्तन का संकेत है।

लोग पहले से अधिक लंबा जीवन जी रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या वे स्वस्थ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन भी जी पाएंगे?

यही वह चुनौती है, जिसके समाधान की दिशा में हेल्पएज इंडिया ने नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट फॉर लॉन्गेविटी एंड एजिंग रिसर्च (ढ्ढरुक्र) की स्थापना की है। 22 जुलाई 2026 को इसका उद्घाटन नीति आयोग के पूर्व सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद कुमार पॉल ने किया। उन्होंने कहा कि भारत को वृद्धावस्था के लिए अपना ऐसा मॉडल विकसित करना होगा, जिसमें भारतीय पारिवारिक मूल्यों, सामुदायिक सहयोग और आधुनिक विज्ञान का संतुलित समावेश हो।

भारत में औसत आयु लगातार बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ जीवन की अवधि अब भी सीमित है। बड़ी संख्या में बुजुर्ग मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, गठिया और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। दूसरी ओर, संयुक्त परिवारों का टूटना, युवाओं का रोज़गार के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन और बढ़ता अकेलापन बुजुर्गों के जीवन को और कठिन बना रहा है। महिलाओं की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है। विधवा होने की अधिक संभावना और आर्थिक निर्भरता उन्हें अतिरिक्त असुरक्षा की ओर धकेल देती है।

हालांकि इस बदलती तस्वीर का एक सकारात्मक पक्ष भी है। तेजी से बढ़ती वरिष्ठ नागरिक आबादी 'सिल्वर इकोनॉमी' के रूप में एक नया अवसर लेकर आ रही है। स्वास्थ्य सेवाएं, दवाइयां, सहायक तकनीक, वरिष्ठ नागरिकों के लिए अनुकूल आवास, बीमा और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में बड़ी संभावनाएं उभर रही हैं। लेकिन इन अवसरों का लाभ तभी मिलेगा, जब देश समय रहते अपनी नीतियों और व्यवस्थाओं को तैयार करेगा।

इसी सोच के साथ ढ्ढरुक्रको केवल एक शोध संस्थान नहीं, बल्कि नीति निर्माण, अनुसंधान, नवाचार और व्यावहारिक समाधान का राष्ट्रीय मंच बनाया गया है। संस्थान के निदेशक प्रो. अनिल कुमार इंदिरा कृष्णन का कहना है कि लंबी उम्र का अर्थ केवल जीवन के वर्षों में वृद्धि नहीं, बल्कि उन वर्षों में स्वास्थ्य, सम्मान और खुशहाली जोड़ना है। उनका मानना है कि भविष्य की नीतियां तभी प्रभावी होंगी, जब उनके केंद्र में स्वयं बुजुर्गों के अनुभव और उनकी जरूरतें हों।

संस्थान स्वस्थ वृद्धावस्था, सिल्वर इकोनॉमी, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार, उम्र-अनुकूल तकनीक और वृद्धावस्था से जुड़ी सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर व्यापक शोध करेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, टेलीमेडिसिन और स्मार्ट उपकरणों के बेहतर उपयोग से लेकर अकेलेपन, देखभाल और सामुदायिक सहयोग जैसे विषय भी इसकी प्राथमिकताओं में शामिल होंगे। हर वर्ष 'स्टेट ऑफ एजिंग इन इंडिया' रिपोर्ट प्रकाशित करने, सिल्वर टेक इनोवेशन लैब स्थापित करने, स्वास्थ्य वेधशाला विकसित करने और युवा शोधकर्ताओं के लिए फेलोशिप कार्यक्रम शुरू करने की भी योजना है।

हेल्पएज इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित प्रसाद का मानना है कि आने वाले दो दशकों में वृद्धावस्था देश के सामने सबसे बड़ी सामाजिक चुनौतियों में होगी। उनका कहना है कि केवल सरकार के प्रयास पर्याप्त नहीं होंगे। विश्वविद्यालयों, उद्योग जगत, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (ष्टस्क्र) संस्थाओं और नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा। साक्ष्य-आधारित नीतियों और पर्याप्त निवेश के बिना भविष्य की इस चुनौती का सामना करना कठिन होगा।

हेल्पएज इंडिया स्वयं इस क्षेत्र में कोई नया नाम नहीं है। वर्ष 1978 से संस्था वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, आजीविका, अधिकारों की रक्षा और आपदा राहत के क्षेत्र में लगातार काम कर रही है। पिछले लगभग पांच दशकों में उसे संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या पुरस्कार और भारत सरकार के वयोश्रेष्ठ सम्मान सहित कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार मिल चुके हैं। ढ्ढरुक्र उसी लंबे अनुभव और विशेषज्ञता का अगला महत्वपूर्ण पड़ाव है।

अब समय आ गया है कि भारत वृद्धावस्था को केवल सामाजिक बोझ के रूप में देखने की मानसिकता बदले। वरिष्ठ नागरिक अनुभव, ज्ञान और सामाजिक पूंजी का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। उनके लिए उम्र-अनुकूल शहर, बेहतर सार्वजनिक परिवहन, सामुदायिक देखभाल केंद्र, मजबूत पेंशन व्यवस्था, व्यापक बीमा कवरेज, डिजिटल साक्षरता और ऐसी पीढ़ीगत पहलें विकसित करनी होंगी, जिनसे युवा और बुजुर्ग एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें।

वर्ष 2050 का भारत आज लिए गए फैसलों पर निर्भर करेगा। यदि अभी दूरदर्शी नीतियां बनाई गईं और पर्याप्त निवेश किया गया, तो देश केवल अधिक आयु वाला समाज नहीं बनेगा, बल्कि ऐसा समाज बनेगा जहां बुजुर्ग स्वस्थ, सक्रिय, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जी सकेंगे। किसी भी सभ्य समाज की असली पहचान इस बात से होती है कि वह अपने वरिष्ठ नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। ढ्ढरुक्र ने इस दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत कर दी है। अब जरूरत है कि सरकार, निजी क्षेत्र और समाज मिलकर इसे राष्ट्रीय जनआंदोलन का रूप दें, ताकि बढ़ती उम्र भारत के लिए चुनौती नहीं, बल्कि नई ताकत बन सके।

प्रधानमंत्री मोदी का खादी आह्वान हर घर पहुंचना ही चाहिए !

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

'मैं विशेष रूप से उल्लेख करना चाहूंगा, वह है 'खादी'। हम सभी जानते हैं कि 'खादी' महात्मा गांधी को बहुत प्रिय थी। बीते कुछ वर्षों में 'खादी' काफी लोकप्रिय हुई है। पिछले 12 वर्षों में इसकी बिक्री 6 गुना बढ़ी है। बिक्री का यह आंकड़ा अब 8,000 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है। मेरा आप सभी से आग्रह है कि आने वाले त्योहार में 'खादी' का कोई-न-कोई, हैंडलूम का कोई-न-कोई, हैंडीक्राफ्ट का कोई-न-कोई प्रोडक्ट जरूर खरीदें।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मन की बात (136वां एपिसोड)।

वस्तुतः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का खादी, हैंडलूम और हस्तशिल्प उत्पादों को खरीदने का आज का आह्वान यहां सिर्फ खादी पहनने का संदेश होने तक सीमित न होकर गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, पारंपरिक भारतीय कौशल को वैश्विक पहचान दिलाने और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प को जन-आंदोलन में बदलने का प्रयास है। यदि देश के 140 करोड़ से अधिक नागरिक वर्ष में एक बार भी खादी अथवा किसी स्थानीय कारीगर का उत्पाद खरीदें, तो यह करोड़ों ग्रामीण परिवारों के जीवन में स्थायी आर्थिक परिवर्तन का माध्यम बन सकता है। निश्चित ही आज प्रधानमंत्री के इस आह्वान को हर घर समझना होगा।

खादी राष्ट्र निर्माण का विचार है भारत में खादी का इतिहास स्वतंत्रता, स्वाभिमान और आर्थिक आत्मनिर्भरता की कहानी कहता है। जब अंग्रेजी मिलों के कपड़ों ने भारतीय बुनकरों की आजीविका छीन ली थी, तब महात्मा गांधी ने चरखे को स्वतंत्रता आंदोलन का प्रतीक बनाया। उनके लिए खादी स्वदेशी, श्रम, समानता और आत्मनिर्भरता का दर्शन थी। चरखे की आवाज ने गांव-गांव में आत्मविश्वास जगाया और विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार को जनआंदोलन बना दिया, इसलिए जब भारत पूर्ण स्वतंत्र हुआ, तब इस परंपरा को संगठित स्वरूप देने के लिए वर्ष 1956 में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) की स्थापना की गई।

यदि हम दूर नहीं जाएं , मोदी कार्यकाल को ही देखें तो प्रधानमंत्री मोदी ने 'खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन' का मंत्र देकर इसे नई पीढ़ी से जोड़ा है। जिसके परिणामस्वरूप खादी, कुर्तों एवं अन्य सीमित दायरों से निकलकर डिजाइनर परिधान, जैकेट, साड़ियां, शर्ट, बैग, फुटवियर और अनेक आधुनिक उत्पादों के रूप में वैश्विक बाजार तक पहुंची है। इसका सबसे बड़ा प्रभाव भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दिखाई देता है। खेती के बाद गांवों में रोजगार के अवसर सीमित होते हैं, ऐसे में खादी और ग्रामोद्योग करोड़ों परिवारों की आजीविका का आधार बने हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशक में इस क्षेत्र से जुड़े लोगों की संख्या लगभग 1.30 करोड़ से बढ़कर 2.04 करोड़ से अधिक हो चुकी है।

खादी और वस्त्र उद्योग को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार ने अनेक महत्वाकांक्षी योजनाएं भी शुरू की हैं। 'पीएम मित्र' के तहत विश्वस्तरीय एकीकृत टेक्सटाइल पार्क विकसित किए जा रहे हैं, जिनसे लाखों रोजगार सृजित होने की संभावना है। समर्थ योजना युवाओं और महिलाओं को आधुनिक कौशल प्रशिक्षण देकर उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर रही है।

इसी प्रकार प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के माध्यम से ग्रामीण युवाओं और उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए बैंक ऋण और सरकारी सब्सिडी उपलब्ध कराई जा रही है। वहीं 'स्फूर्ति) योजना पारंपरिक उद्योगों के क्लस्टर विकसित कर उन्हें आधुनिक तकनीक, बेहतर पैकेजिंग और वैश्विक बाजार से जोड़ रही है। इन पहलों ने खादी को आज विरासत से आगे भविष्य की अर्थव्यवस्था का सशक्त माध्यम बना दिया है। जिसमें कि कहना होगा, इस क्षेत्र की सबसे बड़ी शक्ति महिलाएं हैं।

वस्तुतः कताई कार्य में 80 प्रतिशत से अधिक भागीदारी महिलाओं की है। सौर चरखे, स्वयं सहायता समूहों और आधुनिक प्रशिक्षण ने ग्रामीण महिलाओं को उद्यमी बनाया है। आज हजारों महिलाएं अपने गांव में ही सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति के साथ-साथ उनका सामाजिक सम्मान भी बढ़ा है। आज प्रधानमंत्री का त्योहारों के अवसर पर खादी खरीदने का आग्रह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि किसी शहर में खरीदा गया एक खादी का कुर्ता या हस्तशिल्प का उत्पाद सीधे किसी ग्रामीण कारीगर के घर तक आय पहुंचाता है। यह आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल है, जो लाखों भारतवासियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाता है।

यहां सभी को यह भी समझना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी का उक्त संदेश, सिर्फ आर्थिक दृष्टि से ही महत्व नहीं रखता है, इसके साथ ही यह सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब कोई नागरिक विदेशी ब्रांड के बजाय किसी स्थानीय बुनकर का बुना कपड़ा, किसी हस्तशिल्पी का बनाया उत्पाद या किसी ग्रामीण महिला द्वारा तैयार सामग्री खरीदता है, तब वह किसी परिवार की आजीविका, किसी गांव की अर्थव्यवस्था और भारत की सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करता है।

अंत में यही कहना होगा कि आज जब दुनिया पर्यावरण-अनुकूल और स्थानीय उत्पादों की ओर लौट रही है, तब भारत के पास खादी के रूप में ऐसा मॉडल मौजूद है, जिसमें रोजगार, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तीकरण, ग्रामीण विकास और सांस्कृतिक गौरव, सभी एक साथ जुड़े हुए हैं, इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 'मन की बात'में किया गया यह आह्वान वास्तव में एक ऐसा राष्ट्रीय अभियान है, जिसे हर घर अनुसरण करना चाहिए। यदि प्रत्येक भारतीय त्योहारों और विशेष अवसरों पर खादी, हैंडलूम और हस्तशिल्प उत्पादों को प्राथमिकता देने का संकल्प ले, तो यह निश्चित ही देश के लाखों कारीगरों के जीवन में नई आशा, नई समृद्धि और नए आत्मविश्वास का संचार करेगा।

27 को होगी भगवान जगन्नाथ की वापसी, रास्ते भर होगा स्वागत, बंटेगा गजामूंग का प्रसाद

जनकपुरी धाम में महाप्रभु के दर्शन को उमड़ रही श्रद्धा

धमतरी, 26 जुलाई (हि.स.)। रथयात्रा के बाद मौसी के घर जनकपुरी धाम (गोशाला भवन) में विराजमान भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के दर्शन के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। 16 जुलाई से जनकपुरी में विश्राम कर रहे महाप्रभु सुबह से शाम तक अपने भक्तों को दर्शन देकर आशीर्वाद प्रदान कर रहे हैं। अंतिम दिन दर्शन-पूजन के लिए श्रध्दालुओं की भीड़ लग रही है। मौसी के घर प्रवास के बाद आज 27 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य वापसी यात्रा निकाली जाएगी, जिसे लेकर श्रद्धालुओं में अभी से उत्साह का माहौल है।

जनकपुरी धाम (गोशाला भवन) में धमतरी शहर के साथ-साथ ग्रामीण अंचलों और आसपास के जिलों से भी श्रद्धालु दर्शन लाभ लेने पहुंच रहे हैं। अंतिम दिन दर्शन-पूजन के लिए यहां श्रध्दालुओं की भीड़ लग रही है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में भक्त प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा 22 फीट ऊंचे भव्य रथ पर विराजमान होकर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ जगदीश मंदिर से जनकपुरी धाम पहुंचे थे। ढोल-नगाड़ों, बाजे-गाजे और जय जगन्नाथ के गगनभेदी जयघोष के बीच निकली रथयात्रा में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। आज वापसी के दौरान मार्ग में जगह-जगह भगवान की पूजा-अर्चना, महाआरती और पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया जाएगा। मालूम हो कि जनकपुरी धाम पहुंचने पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ महाआरती की गई और तभी से यहां प्रतिदिन दर्शन का सिलसिला जारी है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए श्री जगदीश मंदिर ट्रस्ट एवं गौशाला ट्रस्ट द्वारा सुबह और शाम नियमित रूप से भंडारे का आयोजन किया जा रहा

प्रकृति के साथ संतुलन और जल संरक्षण भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक : राज्यपाल डेका

राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन' अभियान का किया शुभारंभ

रायपुर, 26 जुलाई (हि.स.)। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मनुष्य, पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के बीच संतुलन बनाए रखना पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, जल संकट और प्रदूषण आज गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को भी जल संकट का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए हमें अभी से जल संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास करने होंगे। राज्यपाल डेका ने आज रविवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन'के लिए आयोजित राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अभियान में शामिल ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाइयों को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान 26 जुलाई से 9 अगस्त 2026 तक रायपुर से जबलपुर की यात्रा करते हुए छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देगा। राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की यह पहल केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जन-जागृति का अभियान है।

'मन की बात' में बार-बार छत्तीसगढ़ का उल्लेख प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने फाफाडीह में युवाओं और आमजनों के साथ सुनी 'मन की बात' की 136वीं कड़ी

रायपुर 26 जुलाई (हि.स.)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज रविवार को राजधानी रायपुर के फाफाडीह स्थित दया भवन में युवा साथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 136वीं कड़ी का श्रवण किया।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों के साथ संवाद का एक ऐसा सशक्त मंच बन गया है, जो समाज के बीच हो रहे सकारात्मक और प्रेरणादायी कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है। देशभर के लोगों को प्रत्येक माह इस कार्यक्रम की उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों, संस्थाओं, नवाचारों और जन-अभियानों को सामने लाते हैं, जो बिना किसी प्रसिद्धि या व्यक्तिगत अपेक्षा के समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के नवाचारों को लगातार मिल रही राष्ट्रीय पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले कुछ महीनों में 'मन की बात' कार्यक्रम में लगातार छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, सांस्कृतिक विरासत और नवाचारों का उल्लेख किया जाना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले मल्हार की समृद्ध पुरातात्विक विरासत, बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे अभिनव आयोजनों का उल्लेख कर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक शक्ति, जनजातीय परंपराओं और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया था।

कोरबा के जल संरक्षण प्रयासों की प्रधानमंत्री ने की सराहना

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने 'कैच द रेन' अभियान के अंतर्गत देशभर में वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पुराने जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और वृक्षारोपण के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा में जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों को उत्साहजनक बताते हुए उनकी सराहना की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि कोरबा में वैज्ञानिक पद्धति से जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण के लिए भू-स्थानिक मैपिंग, शैलो एक्विफर मैनेजमेंट, रिचार्ज वेल तथा अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य वर्षा जल को अधिकतम मात्रा में संरक्षित करना, भूजल स्तर में सुधार लाना और क्षेत्र में जल उपलब्धता को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने 'कैच द रेन' अभियान के माध्यम से बारिश की प्रत्येक बूंद को सहेजने का जो संदेश दिया है, वह वर्तमान और भविष्य दोनों की आवश्यकता है। जल केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं, बल्कि मानव जीवन, कृषि, पर्यावरण और भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार है।

जल संरक्षण को जनभागीदारी का व्यापक अभियान बनाएगी राज्य सरकार

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, तालाबों और अन्य परंपरागत जल स्त्रोतों के संरक्षण तथा वृक्षारोपण की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

उच्च शिक्षा विभाग के 7.50 लाख़ शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिजनों को स्वास्थ्य-सुरक्षा प्रदान करने वाली 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' का शुभारंभ

मा.मुख्यमंत्री, श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा,बेसिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग के 60 लाख़ शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिजनों को स्वास्थ्य-सुरक्षा प्रदान करने के उपरांत--उच्च शिक्षा विभाग के 7.50 लाख़ शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिजनों को स्वास्थ्य-सुरक्षा प्रदान करने वाली 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' का किया गया शुभारंभ।

शिक्षकों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने हेतु उच्च शिक्षा विभाग एवं पंजाब नेशनल बैंक के मध्य किया गया एम.ओ.यू.

मुख्यमंत्री शिक्षक 'कैशलेस चिकित्सा योजना' के शुभारंभ से शिक्षकों एवं उनके परिवार का स्वास्थ्य 'सुरक्षा चक्र' होगा मजबूत।

सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में भी ?5 लाख तक का मिलेगा कैशलेस उपचार, सरकारी अस्पतालों में उपचार राशि की कोई सीमा नहीं,परिवार के सभी आश्रित सदस्य होंगे लाभान्वित।

स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से कैशलेस उपचार की सुविधा,कार्ड दिखाएं निःशुल्क उपचार पाएं।

राज्य विश्वविद्यालय के शिक्षक, अशासकीय सहायता प्राप्त महाविद्यालयों के शिक्षक, स्ववित्त पोषित महाविद्यालयों के शिक्षकों व उनके आश्रितों को मिलेगा लाभ।

शिक्षकों का सम्मान और स्वास्थ्य सुरक्षा हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता-मा.मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी

प्रदेश के लाखों शिक्षकों को मिला मजबूत स्वास्थ्य सुरक्षा कवच-श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी

शिक्षकों का सम्मान और स्वास्थ्य संरक्षण राष्ट्र निर्माण की मजबूत नींव-प्रो. एस.पी. सिंह बघेल जी

आगरा (निज संवाददाता) मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा जनपद के मा. जनप्रतिनिधिगण मा0 मंत्री सुक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम तथा जनपद प्रभारी मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह चैधरी जी, मा.केंद्रीय मंत्री प्रो.एसपी सिंह बघेल जी, मा0 सांसद फतेहपुर सीकरी श्री राजकुमार चाहर जी, मा0 मंत्री उच्च शिक्षा श्री योगेन्द्र उपाध्याय जी, मा.विधायक डा0 धर्मपाल सिंह जी, मा0 विधायक चैधरी बाबूलाल जी, श्री पुरुषोत्तम खण्डेलवाल जी, श्री छोटेलाल वर्मा जी, श्रीमती रानी पक्षालिका सिंह जी,श्री भगवान सिंह कुशवाहा जी, जिला पंचायत अध्यक्ष डा0 मंजू भदौरिया जी, महापौर श्रीमती हेमलता दिवाकर जी की गरिमामयी उपस्थिति में बेसिक/माध्यमिक शिक्षा विभाग के 60 लाख़ शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिजनों को स्वास्थ्य-सुरक्षा प्रदान करने के उपरांत उच्च शिक्षा विभाग के 7.50 लाख़ शिक्षकों एवं उनके आश्रित परिजनों को गुणवत्तापूर्ण एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' का डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा स्थित शिवाजी मंडपम, खंदारी परिसर में विधिवत शुभारंभ किया गया।

सर्वप्रथम मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा स्वामी विवेकानन्द जी प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के उपरान्त परिसर में प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा लगाये गये स्टॉल/प्रदर्शनी का अवलोकन किया गया, मा0 मुख्यमंत्री जी ने समस्त स्टॉल पर जाकर विश्वविद्यालयों में किए जा रहे नवाचारों एवं नवीन शैक्षिक प्रयोगों की जानकारी ली।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग एवं पंजाब नेशनल बैंक के मध्य मा0 मुख्यमंत्री जी की गरिमामई उपस्थिति में एम.ओ.यू. समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर भी हुए। मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा लाभार्थी शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कैशलेस चिकित्सा योजना पर आधारित लघु फिल्म का प्रसारण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मा. मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों एवं उनके परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना शिक्षकों के लिए महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक पहल है, जिसके माध्यम से उन्हें गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाओं के साथ व्यापक बीमा सुरक्षा भी उपलब्ध होगी। मा0 मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा के साथ दुर्घटना की स्थिति में बीमा लाभ, अस्पताल में भर्ती होने पर नगद सहायता तथा अन्य आवश्यक स्वास्थ्य सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि किसी शिक्षक को आर्थिक अभाव के कारण बेहतर उपचार से वंचित न होना पड़े। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार स्ववित्तपोषित एवं निजी विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को भी भविष्य में इस योजना से जोड़ने की दिशा में गंभीरता से विचार करेगी, ताकि उन्हें भी समान स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ मिल सके।

गुरु पूर्णिमा गोवर्धन मेलाः मथुरा एवं गोवर्धन रेलवे स्टेशनों पर कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से 24×7 निगरानी

आगरा (निज संवाददाता)। गुरु पूर्णिमा गोवर्धन मेला के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित यात्रा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आगरा मंडल द्वारा मथुरा जंक्शन एवं गोवर्धन रेलवे स्टेशन पर व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था की गई है।मथुरा में आयोजित गुरु पूर्णिमा एवं गोवर्धन परिक्रमा मेला 24 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक आयोजन किया जा रहा है।

मंडल रेल प्रबंधक, आगरा श्री गगन गोयल के निर्देशन में मथुरा एवं गोवर्धन रेलवे स्टेशनों पर स्थापित कंट्रोल रूम से लगभग 280 सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से चौबीसों घंटे सतत मॉनिटरिंग की जा रही है। इन कैमरों के जरिए प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज (स्न्हक्क), सर्कुलेटिंग एरिया, प्रवेश एवं निकास द्वार, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय तथा स्टेशन परिसर के अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसी क्रम मे गुरु पूर्णिमा मेला-2026 के अवसर पर मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अंकित गुप्ता द्वारा कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर सीसीटीवी आधारित निगरानी व्यवस्था का जायज़ा लिया गया। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज एवं अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मेला अवधि के दौरान किसी भी प्रकार की असामान्य गतिविधि, भीड़ की स्थिति अथवा सुरक्षा संबंधी आवश्यकता पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कंट्रोल रूम से प्रत्येक गतिविधि पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। इससे यात्रियों को सुरक्षित एवं बेहतर रेल सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायता मिल रही है। मेला अधिकारी सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी समय-समय पर कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कर रहे हैं।

रेल प्रशासन श्रद्धालुओं से अपील करता है कि वे यात्रा के दौरान रेलवे के निर्देशों का पालन करें, किसी भी संदिग्ध वस्तु अथवा व्यक्ति की सूचना तत्काल रेलवे अधिकारियों अथवा रेलवे हेल्पलाइन पर दें तथा सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यात्रा में अपना

मुरैना कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के पुनर्गठन में रहीश खान को ग्वालियर शहर के प्रभारी अवसार अहमद खान को मिली सह प्रभारी की जिम्मेदारी

धौलपुर (निज संवाददाता)। मुरैना मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग द्वारा प्रदेश एवं जिला स्तर की सभी कार्यकारिणियों को भंग किए जाने के बाद संगठन के पुनर्गठन की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी प्रदेश प्रभारी आबिद कागजी सह प्रभारी लियाकत अली गद्दी तथा प्रदेश अध्यक्ष शेख अलीम के निर्देशन में प्रदेशभर के विभिन्न जिलों के लिए प्रभारी एवं सह-प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। सभी नियुक्त प्रभारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे आगामी दस दिनों के भीतर अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में संगठनात्मक बैठकें आयोजित कर जिलाध्यक्ष पद के इच्छुक एवं योग्य कार्यकर्ताओं के बायोडाटा एकत्रित करें तथा अपनी रिपोर्ट प्रदेश नेतृत्व को सौंपें इसी क्रम में मुरैना जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष रहीश खान को ग्वालियर शहर कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग का प्रभारी तथा अवसार अहमद खान को सह-प्रभारी नियुक्त किया गया है। कांग्रेस नेतृत्व ने इस नियुक्ति को दोनों नेताओं के संगठनात्मक अनुभव सक्रियता और कार्यकुशलता का सम्मान बताया है। रहीश खान और अवसार अहमद खान की नियुक्ति पर मुरैना एवं शाजापुर के कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। कांग्रेसजनों ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में ग्वालियर शहर में अल्पसंख्यक विभाग का संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा संगठन विस्तार अभियान को नई गति मिलेगी।

धौलपुर एसपी विकास सांगवान ने की क्राइम मीटिंग में अपराध नियंत्रण लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान पर दिया जोर

धौलपुर (निज संवाददाता) । पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान ने जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त वृत्ताधिकारियों थानाधिकारियो की विस्तृत क्राइम मीटिंग लेकर जिले में अपराध नियंत्रण कानून व्यवस्था लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण तथा पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित विशेष अभियानों की गहन समीक्षा की। बैठक में अपराधों के प्रभावी अनुसंधान समयबद्ध कार्रवाई एवं गुणवत्तापूर्ण पर विशेष जोर देते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने पुलिस मुख्यालय द्वारा संचालित विभिन्न विशेष अभियानों की थानावार समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि प्रत्येक अभियान को निर्धारित मापदंडों के अनुरूप प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाए तथा प्रत्येक स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने हत्या हत्या के प्रयास लूट एवं डकैती जैसे गंभीर अपराधों के लंबित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रत्येक प्रकरणों की वर्तमान स्थिति लंबित रहने के कारण एवं शीघ्र अनुसंधान पूर्ण कर चालान प्रस्तुत करने की कार्ययोजना की जानकारी ली। जिन प्रकरणों में अनुसंधान अनावश्यक रूप से लंबित पाया गया उनमें त्वरित कार्रवाई कर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए गए। बैठक में पॉक्सो अधिनियम बलात्कार एवं एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम से संबंधित लंबित प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि महिला एवं बाल अपराधों का अनुसंधान संवेदनशीलता निष्पक्षता एवं गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण की जाए तथा पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने में किसी प्रकार की शिथिलता नहीं बरती जाए। एक वर्ष से अधिक अवधि से लंबित प्रकरणों की अलग से समीक्षा करते हुए उनके शीघ्र निस्तारण पर बल दिया गया। साथ ही बीएनएसएस की धारा 173(8) एवं 193(9) के अंतर्गत लंबित अनुसंधान संबंधी प्रकरणों में न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों का समयबद्ध पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में संपत्ति संबंधी अपराधों जैसे डकैती लूट नकबजनी चोरी एवं छीनाझपटी (स्नेचिंग) के मामलों में चालान एवं बरामदगी प्रतिशत की थानावार समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिए कि अपराधों में चोरी गया माल अधिकतम मात्रा में बरामद किया जाए आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित कर अनुसंधान को गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए तथा लंबित प्रकरणों में प्रभावी कार्रवाई की जाए। इसके अतिरिक्त सीसीटीएनएस एवं सम्पर्क पोर्टल पर लंबित परिवादों की समीक्षा करते हुए उनका त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए महिला अत्याचार संबंधी प्रकरणों की भी विशेष समीक्षा करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया।

धौलपुर में आयोग अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने सुनी पीएम मोदी की मन की बात कारगिल शहीदों को दी श्रद्धांजलि

धौलपुर (निज संवाददाता)। विधानसभा के शहर मंडल के बूथ संख्या 259 पर राजस्थान वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ अरुण चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें एपिसोड को सुना जरिए प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन की शुरुआत कारगिल के वीर शहीदों को नमन करके की. उन्होंने कारगिल विजय दिवस और राष्ट्रीय सुरक्षाशहीदों को श्रद्धांजलि दी, पीएम मोदी ने कहा कि 26 जुलाई भारतीय सैनिकों के साहस, वीरता और मातृभूमि के प्रति समर्पण का प्रतीक है उन्होंने रक्षा तकनीक की सराहना की उन्होंने भारतीय नौसेना के द्घ्हस्र महेंद्रगिरि और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (ष्ठक्रष्ठह्र) द्वारा विकसित पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट के सफल परीक्षण की सराहना की, जल संरक्षण और 'कैच द रेन' अभियानवर्षा जल संचयनः प्रधानमंत्री ने मानसून के इस मौसम में जल संरक्षण को जनभागीदारी का बड़ा आंदोलन बनाने की अपील की और कहा कि पानी की एक-एक बूंद अमूल्य है, और कहा कि स्वतंत्रता दिवस और 'हर घर तिरंगा'तिरंगा अभियान आने वाले स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर पीएम ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को लेकर देशवासियों में उत्साह भरा, विज्ञान और नवाचार डॉ. रोनाल्डो लैशराम की कहानी पीएम ने मणिपुर के रहने वाले एस्ट्रोफिजिसिस्ट डॉ. रोनाल्डो का विशेष जिक्र किया, जो जापान में काम कर रहे हैं।वैश्विक पहचानः उनकी टीम ने ब्रह्मांड में युवा आकाशगंगाओं के एक विशाल समूह की खोज की है, जिसका नाम उन्होंने मणिपुर की प्रसिद्ध लोकटक झील के नाम पर रखा है चतुर्वेदी ने कहा कि मन की बात के माध्यम से प्रधानमंत्री सीधे ही आम जनता से सब बात करते हैं और उनका प्रोत्साहन करते हैं और उनके द्वारा किए गए जनित के कार्यो को उजागर करते हैं साथ ही नई प्रेरणा भी देते हैं, जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता महीने के अंतिम रविवार का इंतजार मन की बात सुनने के लिए करता है इस कार्यक्रम को सुनकर कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार होता है इस अवसर पर कार्यक्रम राजाखेड़ा विधानसभा प्रत्याशी नीरजा शर्मा, धौलपुर विधानसभा प्रत्याशी डॉ शिवचरण कुशवाहा, भूत संख्या 259 के कुक्कू अध्यक्ष शर्मा सहित जिले के सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहेद्य

योगी सरकार बनी आपका परिवार योगेंद्र उपाध्याय

आगरा (निज संवाददाता)। उच्च शिक्षा विभाग के शिक्षकों और आश्रित परिजनों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने वाली मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का और शिक्षकों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने हेतु पी.एन.बी. से एम.ओ.यू. के कार्यक्रम के शुभारम्भ के कार्यक्रम में। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए अपने उद्बोधन में उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय ने हारी बीमारी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की संवेदनाओं का जिक्र करते हुए कहा, ''योगी सरकार बन गई आपका परिवार'' विश्वविद्यालय के खंदारी परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष उन्होने शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि कई सरकारें आयी और गईं, किन्तु किसने आपकी कैशलेस चिकित्सा सुविधा की चिरवांछित मांग पर ध्यान दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का निर्माण करते हैं। 'मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना' और 'पीएनबी एमओयू' के जरिए सरकार ने शिक्षकों को एक मजबूत सामाजिक और स्वास्थ्य सुरक्षा कवच दिया है। संकट काल में शिक्षकों और उनके आश्रितों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी इस संवेनशील सरकार के लिए यह कहना बिल्कुल अतिशयोक्ति नहीं होगा कि योगी सरकार बनी आपका का परिवार'। '

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के प्रति-भागियों एवं MY Bharat स्वयंसेवकों से किया वर्चुअल संवाद

धौलपुर (निज संवाददाता)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के स्वायत्तशासी निकाय 'मेरा युवा भारत (MY Bharat)' द्वारा गृह मंत्रालय एवं भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के सहयोग से संचालित विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (VVVP-2026) के प्रतिभागियों एवं MY Bharat स्वयंसेवकों के साथ रविवार को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया। धौलपुर जिले में कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एवं सहभागिता DOIT, धौलपुर में आयोजित की गई। कार्यक्रम में जिला युवा अधिकारी जनक राज मीना एनआईसी के अजय कुमार एवं उनकी टीम तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (हस्स्) कार्यक्रम अधिकारी राजेश गुर्जर उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिले के VVVP-2026 प्रतिभागी आशीष कुमार पचगांव धौलपुर सहित MY Bharat के लगभग 20 स्वयंसेवकों ने सहभागिता की। इनमें सारांश अग्रवाल सोनू सिंह नरेंद्र कुमार स्नेहा कुमारी गुंजन कुमारी तथा रामकेश सहित अन्य युवा उपस्थित रहे। संवाद के दौरान प्रधानमंत्री ने देश के विभिन्न सीमावर्ती (वाइब्रेंट) गांवों का भ्रमण कर लौटे युवा प्रतिभागियों से उनके अनुभव जाने प्रतिभागियों ने ग्राम सभाओं में सहभागिता स्थानीय संस्कृति एवं परंपराओं से परिचय होम-स्टे के अनुभव आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के भ्रमण तथा सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (ITBP) के जवानों के समर्पण अनुशासन एवं राष्ट्रसेवा के प्रति अपने अनुभव साझा किए अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सीमावर्ती गांव देश के अंतिम नहीं बल्कि देश के पहले गांव हैं। उन्होंने युवाओं से सीमावर्ती क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत स्थानीय उत्पादों एवं पर्यटन की संभावनाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सुदृढ़ करते हैं तथा युवाओं को देश की विविधता, सांस्कृतिक समृद्धि और सीमावर्ती क्षेत्रों के महत्व से जोड़ते हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं को विकसित भारत का निर्माता और सबसे बड़ा लाभार्थी बताते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया कारगिल विजय दिवस के अवसर पर उन्होंने वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके अदम्य साहस बलिदान और राष्ट्रभक्ति को स्मरण किया। उन्होंने युवाओं से बड़े लक्ष्य निर्धारित कर विकसित भारत-2047 के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु ष्ठहृढ्ढञ्ज, धौलपुर में सभी तकनीकी एवं व्यवस्थागत तैयारियाँ सुनिश्चित की गईं। कार्यक्रम का संचालन सुचारु रूप से संपन्न हुआ। उपस्थित प्रतिभागियों एवं स्वयंसेवकों ने प्रधानमंत्री के प्रेरक मार्गदर्शन को युवाओं के लिए ऊर्जा एवं प्रेरणा का स्रोत बताते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास राष्ट्रीय एकता तथा विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई विजयपुर द्वारा कारगिल विजय दिवस मनाया गया

विजयपुर (निज संवाददाता) अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) नगर इकाई विजयपुर द्वारा रविवार को कारगिल विजय दिवस श्रद्धा, सम्मान एवं राष्ट्रभक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं कारगिल युद्ध के वीर शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के अदम्य साहस, शौर्य और सर्वोच्च बलिदान को स्मरण करते हुए कहा कि कारगिल विजय दिवस प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व, सम्मान और प्रेरणा का प्रतीक है। यह दिन उन अमर वीर सैनिकों को नमन करने का अवसर है जिन्होंने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। वक्ताओं ने कहा कि 26 जुलाई का दिन भारतीय सेना के पराक्रम, वीरता और राष्ट्र के प्रति समर्पण की अमर गाथा का स्मरण कराता है। कार्यक्रम के दौरान परिषद के कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रभक्ति का संकल्प लेते हुए युवाओं से राष्ट्रहित, समाज सेवा तथा राष्ट्र निर्माण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। अंत में सभी ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर मंत्री ब्रिजेश राठौड़, सह मंत्री प्रियांशु बैरागी, अभय बैरागी, अरुण वैष्णव, दिलीप कुशवाह सहित नगर इकाई विजयपुर के अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दक्ष प्रजापति जयंती पर समाज का सम्मान समारोह, वयोवृद्धों का किया अभिनंदन

विजयपुर (निज संवाददाता)। प्रजापति महासभा विजयपुर के तत्वावधान में रविवार को श्री राम पैलेस गार्डन में महाराज दक्ष प्रजापति जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। समारोह में समाज के वयोवृद्ध एवं वरिष्ठजनों का शाल और श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन एवं महाराज दक्ष प्रजापति के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। इसके बाद समाजजनों ने उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज के उत्थान, संगठन की मजबूती और आपसी भाईचारे का संकल्प लिया। प्रजापति महासभा के अध्यक्ष सुगनलाल वर्मा ने अतिथियों एवं समाजजनों का स्वागत करते हुए कहा कि महाराज दक्ष प्रजापति का जीवन समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने शिक्षा, संस्कार, संगठन और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए सभी से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। समारोह में विजयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा और वरिष्ठजन शामिल हुए। महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। अंत में समाज की उन्नति, आपसी सौहार्द और संगठन की मजबूती का संकल्प लेकर कार्यक्रम का समापन हुआ।

(सफलता की कहानी)

संघर्ष से स्वाभिमान तक का सफररू स्व-सहायता समूह ने श्रीमती कमलेश जाटव को बनाया आत्मनिर्भर

मुरैना, (निज संवाददाता)। कभी परिवार का जीवन रोज की मजदूरी और सीमित आय के सहारे किसी तरह गुजर-बसर कर रहा था। हर महीने यह चिंता बनी रहती थी कि बच्चों की पढ़ाई, घर का खर्च और अचानक आने वाली जरूरतों को कैसे पूरा किया जाए। लेकिन आज वही परिवार आत्मनिर्भरता, सम्मान और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद संभव हुआ।

विकासखंड सबलगढ़ की ग्राम पंचायत टेंटरा निवासी श्रीमती कमलेश जाटव ने अपने संघर्ष, मेहनत और दृढ़ संकल्प से यह साबित कर दिया कि यदि महिलाओं को सही मार्गदर्शन, अवसर और सहयोग मिले तो वे न केवल अपना जीवन बदल सकती हैं, बल्कि पूरे परिवार के भविष्य को नई दिशा भी दे सकती हैं।

वर्ष 2020 में ग्राम पंचायत में आयोजित आजीविका मिशन की बैठक के दौरान उन्हें पहली बार स्व-सहायता समूहों की जानकारी मिली। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की इस पहल से प्रेरित होकर उन्होंने 15 जून 2020 को भीमाबाई स्व-सहायता समूह की सदस्यता ग्रहण की। यही निर्णय उनके जीवन का महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। समूह से जुड़ने से पहले परिवार पूरी तरह मजदूरी पर निर्भर था। लगभग 5 हजार रुपए प्रतिमाह की आय में घर का खर्च चलाना, बच्चों की पढ़ाई कराना और अन्य आवश्यक जरूरतों को पूरा करना बेहद कठिन था। आर्थिक तंगी के कारण कई बार उन्हें साहूकारों से ऊंचे ब्याज पर ऋण लेना पड़ता था, जिससे परेशानियां और बढ़ जाती थीं। भविष्य को लेकर निराशा और असुरक्षा का भाव हमेशा बना रहता था।

स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद परिस्थितियां धीरे-धीरे बदलने लगीं। मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से उनके पति को रोजगार मेले के माध्यम से नौकरी मिली। इसके बाद वर्ष 2023 में समूह के माध्यम से रु. 1.20 लाख का बैंक ऋण प्राप्त हुआ। इस राशि से परिवार ने किराना दुकान शुरू की, जो आज उनकी आय का प्रमुख और स्थायी स्रोत बन चुकी है।

आज श्रीमती कमलेश जाटव का परिवार आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर है। उनके पति नियमित रूप से नौकरी कर रहे हैं, परिवार सफलतापूर्वक किराना व्यवसाय संचालित कर रहा है और स्वयं श्रीमती कमलेश जाटव सीआरपी सखी के रूप में अन्य ग्रामीण महिलाओं को स्व-सहायता समूहों से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं। उन्होंने न केवल अपना जीवन संवारा है, बल्कि अनेक महिलाओं के लिए प्रेरणा का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ परिवार के जीवन स्तर में भी उल्लेखनीय परिवर्तन आया है। उन्होंने पक्का मकान बनवाया, फ्रिज, मोटरसाइकिल, मोबाइल और कूलर जैसी आवश्यक सुविधाएं खरीदीं। सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि अब वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करा रही हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आत्मविश्वास के साथ योजनाबद्ध प्रयास कर रही हैं।

श्रीमती कमलेश जाटव भावुक होकर कहती हैं, ष्आजीविका मिशन ने हमें केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी, बल्कि अपने पैरों पर खड़े होने का आत्मविश्वास भी दिया। यदि यह अवसर नहीं मिलता तो शायद आज भी हमारा परिवार मजदूरी और कृषि कार्य पर ही निर्भर रहता। अब हम सम्मान के साथ जीवन जी रहे हैं और अपने बच्चों के बेहतर भविष्य का सपना साकार होते देख रहे हैं। श्रीमती कमलेश जाटव की यह प्रेरक यात्रा इस बात का सशक्त उदाहरण है कि मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और स्व-सहायता समूह ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाकर उनके जीवन में स्थायी और सकारात्मक परिवर्तन ला रहे हैं। उनका संघर्ष, आत्मविश्वास और सफलता आज अनेक महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

क्र. 165

दतिया उपचुनाव में 'कुशवाहा फैक्टर' पर सबकी नजर

40-50 हज़ार वोटों को साधने में जुटे भाजपा, कांग्रेस और आज़ाद समाज पार्टी

दतिया (निज संवाददाता)। दतिया विधानसभा उपचुनाव में चुनावी मुकाबला अब निर्णायक दौर में पहुंच गया है। भाजपा, कांग्रेस और आज़ाद समाज पार्टी अपने-अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए लगातार जनसंपर्क और सभाएं कर रही हैं। इसी क्रम में आज़ाद समाज पार्टी के प्रत्याशी दामोदर सिंह यादव ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क कर दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और आदिवासी समाज के लोगों से संवाद किया। उन्होंने सामाजिक न्याय, राजनीतिक भागीदारी और अधिकारों के मुद्दों पर समर्थन मांगा। उपचुनाव में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के मतदाताओं को अहम माना जा रहा है। इनमें विशेष रूप से कुशवाहा समाज चुनावी समीकरण का महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर उभरा है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार दतिया विधानसभा क्षेत्र में कुशवाहा समाज के लगभग 40 से 50 हजार मतदाता हैं, जो चुनाव परिणाम को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। दामोदर सिंह यादव अपने प्रचार में कुशवाहा समाज की राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक सम्मान और प्रतिनिधित्व के मुद्दे प्रमुखता से उठा रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने भी समाज के नेताओं को चुनाव प्रचार में सक्रिय किया है, जबकि भाजपा की ओर से सांसद भारत सिंह कुशवाहा सहित कई वरिष्ठ नेता लगातार जनसभाएं और जनसंपर्क अभियान चला रहे हैं। इसी बीच 27 जुलाई को प्रस्तावित कुशवाहा समाज सम्मेलन को भी चुनावी दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि किस दल को इस समाज का सबसे अधिक समर्थन मिलेगा, इसका फैसला मतदाता मतदान के दिन करेंगे। चुनावी गलियारों में एक बार फिर चर्चा है कि दतिया की सियासी बाजी में 'कुशवाहा फैक्टर' निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

श्योपुर में सार्वजनिक जगह पर शराब पीने वालों की खैर नहीं

कोतवाली पुलिस का सख्त एक्शन, दो शराबी चटकारा लगाते पकड़े

श्योपुर (निज संवाददाता)। श्योपुर में अब शराबियों के लिए सार्वजनिक स्थानों पर नशा करने का खेल खत्म हो गया है। कोतवाली पुलिस ने एक ही दिन दो शराबियों को सलापुरा नहर किनारे नागदा रोड पर शराब पीते रंगे हाथ पकड़ लिया।

23 जुलाई की शाम को पुलिस की सतर्क टीम ने जब नहर किनारे छापा मारा तो दोनों आरोपी बेफिक्र होकर शराब का चटकारा ले रहे थे। पुलिस ने तुरंत दोनों को हिरासत में लिया, उनका मेडिकल परीक्षण कराया और दोनों के खिलाफ अलग-अलग मुकदमें दर्ज कर दिए।

पकड़े गए आरोपी

1. रामबहादुर पुत्र मुख्शालाल राजपूत (उम्र 35 वर्ष), निवासी कलारना, श्योपुर।

अपराध क्रमांक 239/26, धारा 36(बी) शाम 6:04 बजे पकड़ा गया।

2. रामअवतार पुत्र भुवनेन्द्र शर्मा (उम्र 37 वर्ष), मूल निवासी हार गांगोली (जौरा, मुरैना), वर्तमान में हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, श्योपुर।

अपराध क्रमांक 240/26, धारा 36(बी) शाम 6:40 बजे पकड़ा गया।

दोनों मामलों की जांच क्रमश सउनि रामनरेश कंषाना और प्रधान आरक्षक रविशंकर को सौंपी गई है।

पुलिस ने स्पष्ट संकेत दिया है कि शहर की सड़कों, नहर किनारे या किसी भी सार्वजनिक स्थान पर शराब पीने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की यह कार्यवाही सिर्फ शुरुआत है। आने वाले दिनों में ऐसे अभियान और तेज किए जाएंगे, ताकि समाज में नशे की इस जंगली संस्कृति को जड़ से खत्म किया जा सके।

अब चेतावनी साफ है सार्वजनिक जगह पर शराब पीना सीधा जेल का रास्ता

कोतवाली पुलिस की इस मुहिम ने साबित कर दिया कि कानून का राज अब सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि सड़कों पर भी दिखाई दे रहा है। शराबी भाइयो, सावधान।

नगरीय निकाय मतदाता सूची पुनरीक्षण के लिए जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी गठित

30 जुलाई को नवीन कलेक्ट्रेट सभागार में होगी स्टैंडिंग कमेटी की बैठक

मुरैना,(निज संवाददाता)। नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 की प्रक्रिया को पारदर्शी, निष्पक्ष एवं त्रुटिरहित ढंग से संपादित करने के उद्देश्य से कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी का गठन किया गया है।

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार जिले के नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2026 की कार्यवाही प्रचलन में है। इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों को शामिल करते हुए जिला स्तरीय स्टैंडिंग कमेटी का गठन किया गया है, जिससे मतदाता सूची के पुनरीक्षण की प्रक्रिया में अधिकतम पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं जनभागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

ऊमरी में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

-हर कदम पर हरियाली के लिए सीईओ जिला पंचायत का एक प्रयास

भिण्ड (निज संवाददाता)। ग्राम पंचायत ऊमरी के शांतिधाम परिसर में सकारात्मक पहल के साथ सीईओ जिला पंचायत वीरसिंह चौहान के नेतृत्व में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत उत्साह के साथ पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासी, अधिकारी, कर्मचारी तथा सरपंच ऊमरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में ग्रामीणों की भारी भागीदारी ने सामाजिक एकता और पर्यावरण के प्रति जागरूकता की एक नई लहर का संकेत दिया। सीईओ जिला पंचायत वीरसिंह चौहान ने पौधारोपण करते हुए कहा कि पेड़ जीवन हैं और इन्हें संरक्षित कराना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह केवल एक छोटा कदम नहीं, बल्कि आने वाले दिनों में समस्त पंचायतों में बृहद स्तर पर पौधारोपण करके हर गांव को हरा-भरा बनाने की योजना की शुरुआत है। उनका मानना है कि हर परिवार जब एक-एक पौधा लगाएगा तो भविष्य सुरक्षित होगा और प्राकृतिक संतुलन बनाना संभव होगा। कार्यक्रम का आयोजन सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। शांतिधाम परिसर में लगाए गए पौधों की फोटो व स्थान वायुदूत ऐप पर अपलोड कर समुदाय स्तर पर पारदर्शिता और ट्रैकिंग सुनिश्चित की गई। इससे न केवल पौधों की देखभाल की निगरानी आसान होगी, बल्कि अन्य पंचायतों के लिए भी यह प्रेरणा स्त्रोत बनेगा। उपस्थित ग्रामीणों ने भी साथ मिलकर पौधों को पानी दिया तथा उनकी दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदारी ली। अंत में सभी ने मिलकर शपथ ली कि वे लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करेंगे और साथ ही अन्य परिवारों को भी इसमें जोड़ेंगे।

मसूरी में नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के तहत कार्यक्रम अयोजित

भिण्ड (निज संवाददाता)। मप्र पुलिस के तत्वावधान में 30 जुलाई तक सतत संचालित नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत रविवार को अटेर क्षेत्र के ग्राम मसूरी स्थ्ज्ञित महाकाली मंगलिक गार्डन में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिले के वरिष्ठ चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. शैलेन्द्र सिंह परिहार के द्वारा भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी शाखा भिण्ड, खेल एवं युवा कल्याण विभाग भिण्ड और जिला पुलिस बल भिण्ड के संयुक्त तत्वावधान में श्रृजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम ग्राम मसूरी एवं देहरा की टीमों के बीच रस्साकसी प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें एसडीओपी अटेर रविन्द्र वास्कले एवं डीएसपी प्रशांत सिंह भदौरिया ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया, जिसमें बेस्ट ऑफ थ्री इवेंट में ग्राम मसूरी की टीम 2-1 से विजयी रही, दोनों टीमों को पुरुस्कृत किया गया। इसके बाद मांगलिक गार्डन के सभागार में मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर नशामुक्ति संवाद का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम कार्यक्रम के आयोजक डॉ. शैलेन्द्र सिंह परिहार ने सभी पधारे गणमान्य अतिथियों का स्वागत कर नशे की बुराई और उसके असीमित साइड फेक्ट तथा मृत्यु तक की विभीषिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में उपस्थित भारत विकास परिषद के धीरज शुक्ला ने भी नशे को समाज के लिए एक धीमा जहर और प्रमुख शत्रु निरूपित कर मध्यप्रदेश पुलिस जिला भिण्ड के अभियान की सराहना की। डीएसपी प्रशांत भदौरिया 17वीं वाहिनी बिसबल भिण्ड ने नशे से युवा पीढ़ी, छात्र, शहर, गांव, गरीब अमीर और समाज के हर तबके को होने वाली क्षति पर विस्तार से चर्चा की लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर समाजसेवी वीरे सिंह भदौरिया दद्दा भदावर वांस बल्ली वाले ने गायत्री परिवार की ओर से नशे से स्वयं की क्षति, परिवार, समाज और राष्ट्र की क्षति को रेखांकित किया। युवा नेता संतोष सिंह भदौरिया मसूरी ने नशे के कारण गृह क्लेश, अर्थिक तंगी, शारीरिक व मानसिक क्षति और मौत तक के भयावह सफर को संवाद से जीवंत कर नशामुक्ति की आवश्यकता पर जोर दिया। अटेर एसडीओपी रविन्द्र वास्कले ने बताया कि नशामुक्ति अभियान में मप्र पुलिस, डीजीपी तथा पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा के निर्देशन में सफलता पूर्वक 15 जुलाई से आज तक जिले में लगभग हर स्तर पर अभियान के माध्यम से विभिन्न संचार मीडिया संसाधनों के साथ समाज के सभी वर्गों से पुलिस को मिल रहे सतत सहयोग से अब तक 6 लाख से अधिक लोगों तक जिले में जन जागरूकता अभियान का सार्थक संदेश पहुंचने की बात कह कर सभी का आभार जताया, साथ ही उपस्थित नागरिकों युवाओं को नशा न करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में थाना प्रभारी पावई निरंजन, प्रधान आरक्षक मृगेन्द्र सिंह जादौन, गौरव मिश्रा, हरवेन्द्र सिंह राजावत, सोनेन्द्र सिंह राजावत, विपिन सिंह भदौरिया, रामकुमार पाण्डेय, आरक्षक पवन यादव को अभियान में उनकी सतत् भूमिका हेतु आयोजक मण्डल द्वारा शॉल श्रीफल से सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सभी कोच, प्रशिक्षक और खिलाड़ियों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर देहरा, मसूरी के सरपंच और एक सैकड़ा ग्रामीणजन, युवा उपस्थित रहे।

चलती कार का दरबाजा खोला, बाइक टकराई, 5 वर्षीय बालक की मौत

भिण्ड (निज संवाददाता)। दादा के साथ बाइक पर जा रहे चार साल के मासूम की मौत हो गई। चालक द्वारा चलती कार का अचानक गेट खोल देने से ओवर टेक कर रही बाइक कार के गेट से टकरा गई। टक्कर के बाद मासूम उछलकर सड़क पर गिरा और कार के पहिए के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दादा भी घायल हो गए। घटना देहात थाना क्षेत्र के क्वारी नदी के पास शनिवार शाम की है।

जानकारी के अनुसार देवांश यादव उम्र करीब चार वर्ष अपने दादा सुनील यादव के साथ बाइक से भिण्ड बाजार जा रहा था। कुंवारी नदी पुल के पास वे ब्रेजा कार को ओवरटेक करते समय कार चालक ने चलते वाहन का गेट खोलते ही बाइक कार के दरवाजे से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक पर आगे बैठा चार वर्षीय देवांश उछलकर सड़क पर गिरा और कार के पहिए की चपेट में आ गया। सिर पर पहिया गुजरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दादा सुनील यादव भी घायल हुए हैं। बताया गया कि कार चालक ने चलते वाहन में गुटखा थूकने के लिए गेट खोला था। बताया गया है कि कार भाजपा की पूर्व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सीमा शर्मा की थी। हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने कार चालक को घेर लिया और उसकी मारपीट कर दी। इसी दौरान हाईवे पर करीब आधा किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही फूप और देहात थाना पुलिस मौके पर पहुंची और हालात नियंत्रित किए। पुलिस ने ब्रेजा कार जब्त कर ली है। पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों और ग्रामीणों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

कार की डिग्गी से उड़ाए ढाई लाख, सीसीटीवी में दिखे दो बदमाश

भिण्ड (निज संवाददाता)। औद्योगिक क्षेत्र मालनपुर में गुरुवार दोपहर कस्बे के व्यापारी भाजपा नेता रॉकी जैन की कार से ढाई लाख रुपए चोरी की वारदात सामने आई है। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसमें दो बदमाश दिखाई दे रहे हैं।

जानकारी के अनुसार वार्ड क्र.14 की पार्षद बीना जैन के पुत्र रॉकी जैन गुरुवार को दोपहर करीब 3.30 बजे हनुमान चौराहा स्थित अपनी दुकान ओम साईराम ट्रेडर्स यानी बाबा मोबाइल शॉप पर थे। दुकान में रखे ढाई लाख रुपए थैली में रखकर पास ही खड़ी अपनी कार की डिग्गी में रख दिए। रुपए रखने के बाद डिग्गी बंद करना भूल गए और एक ग्राहक से बात करने में व्यस्त हो गए। इसी दौरान दो अज्ञात बदमाश दुकान पर पहुंचे। दोनों ने चेहरा गमछे से ढंक रखा था। मौका पाकर आरोपियों ने महज 30 सेकेंड में कार की खुली डिग्गी से नकदी निकाली और फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मालनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में दोनों संदिग्ध बदमाश वारदात को अंजाम देकर जाते नजर आ रहे हैं। पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्र में भी नाकाबंदी कराई गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि नकदी या कीमती सामान वाहन में छोड़ते समय वाहन को लॉक करना न भूलें। संदिग्ध दिखने वाले लोगों की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

बाईपास एवं हाइवे के दोनों तरफ नहीं करें वाहन पार्क

- एसडीएम एवं यातायात प्रभारी ने वाहन चालकों को दी समझाइश

भिण्ड (निज संवाददाता)। कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा द्वारा बाईपास एवं हाइवे के दोनों तरफ वाहन पार्क करने पर लगाए गए प्रतिबंध के तहत एसडीएम भिण्ड अखिलेश शर्मा एवं यातायात प्रभारी राघवेन्द्र भार्गव ने बाईपास एवं हाइवे के दोनों तरफ खड़े वाहन चालकों को प्रतिबंधित क्षेत्र में वाहन पार्किंग नहीं करने की समझाइश दी।

अधिकारियों ने बताया कि नियम के पालन के लिए समय-समय पर निरंतर निगरानी और आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन जारी रहेगा। वाहन चालकों से आग्रह किया गया है कि वे सहयोग बनाए रखें और ट्रैफिक सुरक्षा नियमों का पालन कर जिले में सुरक्षित व व्यवस्थित परिवहन सुनिश्चित करें।

भिण्ड का व्यापार भिण्ड में ही रहने दें

- मप्र मेडीकल रिप्रेजेंटेटिव्स संघ ने केमिस्ट एसोसिएशन से की अपील

भिण्ड (निज संवाददाता)। भिण्ड जिले में दवा व्यापार को लेकर मप्र मेडीकल रिप्रेजेंटेटिव्स संघ ने केमिस्ट एसोसिएशन से सहयोग की अपील की है। संघ ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से बाहर के व्यापारियों द्वारा दिए जा रहे अनैतिक प्रलोभनों के कारण स्थानीय स्टॉकिस्ट और होलसेलरों का व्यापार प्रभावित हो रहा है।

संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह राठौड़ ने जिला केमिस्ट एसोसिएशन के सचिव संजीव जैन को ज्ञापन देते हुए कहा कि केमिस्ट भाइयों का स्वास्थ्य व्यवस्था में बहुत बड़ा योगदान है और एमआर संघ उनके कार्य की सराहना करता है। आपसी सहयोग से एमआर भाइयों का कार्य सुगमता से चलता आया है। लेकिन ग्वालियर-इंदौर से आने वाले व्यापारियों द्वारा दिए जा रहे अतिरिक्त ऑफर और प्रलोभनों के चलते भिण्ड के लोकल स्टॉकिस्टों का व्यापार लगातार घट रहा है। उन्होंने कहा कि बाहर से आने वाला व्यापार केवल अतिरिक्त व्यापार है। जबकि दवाओं की अचानक डिमाण्ड, इमरजेंसी सप्लाई, उधारी और अन्य जरूरी समय पर लोकल होलसेलर-स्टॉकिस्ट ही केमिस्ट भाइयों के काम आते हैं। संकट के समय या रात-बेरात दवा की जरूरत होने पर बाहर वाले व्यापारी मदद नहीं कर पाते।

संघ ने अनुरोध किया है कि केमिस्ट भाई थोड़ी सी अधिक आय के लालच में अपने ही जिले के स्टॉकिस्ट, होलसेलर और एमआर एसोसिएशन का अहित न करें। 'भिण्ड का व्यापार भिण्ड में ही रहने दें' की भावना के साथ खरीददारी करें। इससे न केवल स्थानीय व्यापार बचेगा बल्कि आपसी संबंध भी मजबूत होंगे। संघ के सचिव संजीव जैन ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में भी एमआर संघ और स्टॉकिस्ट हर स्थिति में केमिस्ट भाइयों की सहायता के लिए तत्पर रहेंगे। इस मौके पर सचिव अनुज राजावत, उपाध्यक्ष अनिल त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष दिलीप श्रीवास, सह सचिव सौरभ भदौरिया, सह सचिव इल्द्रजीत चतुर्वेदी, एमआर रविरमन वर्मा, मीडिया प्रभारी अजीत पोद्दार, सह मीडिया प्रभारी मनीष दुबे के अलावा अन्य एमआर मौजूद रहे।

कमाल के कलाम थे, हम सब की शान थे डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम

- पूर्व राष्ट्रपति की पुण्यतिथि पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

भिण्ड। भारत रत्न एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के एक दिन पूर्व हाउसिंग कॉलोनी कॉलोनी स्थित निजी कोचिंग संस्थान पर हम फाउण्डेशन केशवानंद शाखा द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. कलाम के जीवन, व्यक्तित्व तथा राष्ट्र निर्माण के विषय से संबंधित किया गया। कार्यक्रम में हम फाउण्डेशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रो. इकबाल अली, प्रांतीय उपाध्यक्ष शैलेष सक्सेना, प्रांतीय समग्र विकास संयोजक दिनेश लोधी, केशव शाखा अध्यक्ष संतोष सिंह नरवरिया सहित विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अब्दुल कलाम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया।

इस अवसर पर प्रो. इक़बाल अली ने कहा कि डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम केवल महान वैज्ञानिक ही नहीं बल्कि करोड़ों युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत थे। उन्होंने कहा कि सपने वही नहीं होते है नींद में आते हैं बल्कि सपने वे होते हैं जो हमें सोने नहीं देते। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनके आदर्शों पर चलकर शिक्षा, अनुशासन और राष्ट्रसेवा को जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए। दिनेश लोधी ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन यह संदेश देता है कि सीमित संसाधन कभी भी सफलता की राह में बाधा नहीं बनते है, दृढ़, संकल्प, लगन और आत्म विश्वास से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशा मुक्ति, सस्कारित और शिक्षित समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। संतोष सिंह नगरिया ने कहा कि डॉ. कलाम का संपूर्ण जीवन सादगी ईमानदारी परिश्रम और राष्ट्रपति का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने विद्यार्थियों से आवाहन किया कि वे कठिन परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ निरंतर आगे बढ़े। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लिया। आभार प्रदर्शन शैलेष सक्सेना ने किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने भिण्ड शहर एवं मेहगांव में चलाया सघन जांच अभियान

- कई प्रतिष्ठानों से नमूने लेकर जांच के लिए भेजे

भिण्ड। कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा के आदेशानुसार एवं अभिहित अधिकरी खाद्य सुरक्षा प्रशासन के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकरी रेखा सोनी एवं किरन सेंगर ने भिण्ड शहर एवं तहसील मेहगांव में सघन जांच कर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नमूना एवं निरीक्षण कार्रवाई की।

भिण्ड शहर में खाद्य सुरक्षा अधिकार किरण सेंगर ने बस स्टैण्ड स्थित बाबा स्वीट्स से मावा एवं पनीर के नमूने, श्रीराधिका डेयरी एवं प्रोवीजन से पनीर का नमूना, गोल मार्केट स्थित बसंती मिष्ठान भण्डार से मावे का नमूना, राजेन्द्र दूध भण्डार से पनीर एवं दही के नमूने एकत्र किए। मेहगांव शहर में खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी ने भिण्ड तिराहा, मौ रोड पर स्थित मिठाई की दुकानों की सघन जांच कर, विभिन्न मिठाइयों के नमूने एकत्र कर चलित खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला के माध्यम से जांच की।

मौके पर ही जांच कर महादेव मिष्ठान भण्डार, संध्या मिष्ठान भण्डार, विनोद किराना स्टोर, बोहरे स्वीट्स से बूंदी, मावा बर्फी, बेसन के लड्डू, मावा पेड़ा, मावा गुजिया, नमकीन, कुकीज के नमूने जांच वास्ते लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे। बोहरे स्वीट्स, महादेव मिष्ठान भण्डार, संध्या मिष्ठान भण्डार पर साफ सफाई व स्वच्छता न पाए जाने, खाद्य पदार्थों को न्यूज पेपर पर रखकर बेचने एवं ढककर न रखने पर मुख्यालय खाद्य सुरक्षा अधिकारी रेखा सोनी ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत धारा 32 का नोटिस जारी करने का प्रस्ताव भेजा। कार्रवाई के दौरान सभी खाद्य कारोबारियों को सही रख रखाव एवं स्वच्छता के मानकों की जानकारी आरती शिवहरे ने दी।

नगर परिषद मेहगांव ने एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत किया पौधारोपण

- अमृत हरित महाअभियान 2026 के अंतर्गत वृहद पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

मेहगांव। अमृत हरित महाअभियान के अंतर्गत नगर परिषद मेहगांव द्वारा नगर क्षेत्र में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया।

सीएमओ महेश पुरोहित ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण हरित विकास एवं स्वच्छ वातावरण के उद्देश्य से विभिन्न स्थलों पर 100 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, नगर परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की सभी उपस्थितजनों ने अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनके संरक्षण एवं संवर्धन करने तथा मेहगांव को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित नगर बनाने का संकल्प लिया। सीएमओ ने नागरिकों से अपील की कि वे पौधारोपण को जनआंदोलन बनाते हुए प्रत्येक पौधे की नियमित देखभाल करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण उपलब्ध हो सके 'एक पेड़ मां के नाम' एवं 'हरित मेहगांव-स्वच्छ मेहगांव' के संदेश के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हुआ।

मनोहरपुरा में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गोहद (निज संवाददाता)। एण्डोरी थाना क्षेत्र के ग्राम मनोहरपुरा में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान राम-लखन कुशवाह के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही एण्डोरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक/क्यू0/खनिज/2026/1189 मुरैना,दिनांक– 23/07/2026

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री योगेन्द्र मीणा पुत्र श्री गजेन्द्र सिंह मीणा नि0–ग्राम कुतघान तहसील सबलगढ जिला मुरैना द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदनपत्र क्रमांक 40712 दिनांक– 16.07.2026 को प्रस्तुत किया गया है। दिनांक–27/08/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in प्रस्तुत किये जावेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	सबलगढ	कुतघान	633/1	2.000 हे0	शास0 भूमि	खण्डा/ढोका बोल्डर उत्खनिपट्टा	

1– उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों सें विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 5:30 बजे तक) ऑनलाइन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदको के आवेदन पत्र प्राप्त होते है। तो प्रथम आवेदन पत्र एवं अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जायेगा।

3– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन प्राप्त होते है। तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी । विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत कर सकेंगे । उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4– निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

G16254/26

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला मुरैना (म0प्र0)

कमांक/क्यू/3/मा.रा./खनिज/2026/1195 मुरैना,दिनांक– 23/07/2026

(म.प्र.गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1–क) के अर्न्तगत उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति जो लागू हो प्राप्त करने के लिए)

द्वितीय सूचना

यह सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री रघुराज सिंह पुत्र श्री जगदीश सिंह नि0–49 बी महदेवा डार्किया आगरा द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र कमांक 40341 दिनांक– 05.06.2026 को प्रस्तुत किया गया है। इस क्षेत्र पर आवेदन प्रस्तुत करने हेतु प्रथम सूचना कमांक–899 दिनांक– 05.06.2026 प्रकाशित की गई थी। इस क्षेत्र पर पुनः दिनांक– 12/08/2026 तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन ई–खनिज पोर्टल http://ekhanij.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा	भूमि का प्रकार निजी/शासकीय	खनिज का नाम	रिमार्क
मुरैना	अम्बाह	रूअर	2032 1968 1969	1.500 हे0	निजी भूमि	ईट बनाने हेतु साधारण मिट्टी (चिमनीभट्टा) उत्खनिपट्टा	

1– उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारिख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सांय 5:30 बजे तक) ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है।

2– यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक प्रथम सूचना से प्राप्त आवेदन को शामिल करते हुये 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते है, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

3– यदि इस प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करनें की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।

4– यदि प्रथम एवं द्वितीय प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नही होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनि रियायत स्वीकृत पर विचार किया जा सकेगा।

5– निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नही लिया जाएगा।

जिला खनि अधिकारी
(खनिज शाखा)
जिला मुरैना (म0प्र0)

G16270/26

समृद्ध किसान
समृद्ध प्रदेश
किसान
कल्याण वर्ष 2026
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
बलराम कृषि महोत्सव
27 जुलाई, 2026 | नई कृषि उपज मंडी, खण्डवा
मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की राशि
₹ 3300 करोड़+ का
82 लाख + किसानों को
अंतरण एवं संवाद
मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण
आधुनिक खेती का मंत्र
उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई और डिजिटल कृषि सेवाओं की जानकारी
जैविक खेती से बढ़ेगी आय
प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि पर विशेष फोकस
जानकारी का एक मंच
कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता सहित विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी
विशेषज्ञों से सीधा संवाद
खेती की समस्याओं का समाधान, नई तकनीकों और बाजार आधारित कृषि मॉडल की जानकारी
मौसम के अनुसार खेती की तैयारी
मृदा स्वास्थ्य, मौसम आधारित खेती और जलवायु अनुकूल कृषि के टिप्स
D11065/26
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026